(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

यूं कर रही हैं पापा का नाम ...8

बुधवार, 04 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 229 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

नहीं थमा राज्यसभा में हंगामा, दो बार के स्थगन के बाद बैठक पूरे दिन के लिए स्थगित

नयी दिल्ली। पेगासस जासूसी विवाद, तीन कृषि कानूनों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को भी राज्यसभा की कार्यवाही बाधित हुई और दो बार के स्थगन के बाद बैठक दोपहर दो बजकर करीब 40 मिनट पर दिन भर के लिए लिए स्थगित कर दी गई। व्यवधान पर अप्रसन्नता जाहिर करते हुए सभापति एम वेंकैया नायडू ने हंगामा कर रहे सदस्यों ने कहा कि उन्हें यहां हंगामा करने के लिए नहीं भेजा गया है। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हंगामे को ''हिंसक प्रदर्शन'' करार देते हुए कहा कि सदन में व्यवधान उत्पन्न किए जाने के रवैये की भर्त्सना की जानी चाहिए। संसद के मानसून सत्र का यह तीसरा सप्ताह है और विपक्षी सदस्यों के हंगामे की वजह से उच्च सदन में अब तक एक बार भी शून्यकाल नहीं हो पाया, प्रश्नकाल हंगामे के बीच हुआ, हंगामे के दरम्यान ही दिवाला एवं शोध ान अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक 2021 को मंजूरी दी गई और बैठक अपने तय समय से पहले स्थगित कर दी गई। पूर्वाह्न 11 बजे बैठक शुरू होने पर सभापति एम वेंकैया नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। फिर उन्होंने सदन को सूचित किया कि उन्हें कुछ सदस्यों ने अपने–अपने मुद्दों पर चर्चा के वास्ते नियम 267 के तहत पूर्व निध ार्रित कामकाज स्थगित करने के लिए नोटिए दिए हैं जिन्हें उन्होंने स्वीकार नहीं किया है। सभापति के इतना कहते ही विपक्षी सदस्य आसन के समक्ष आ कर अपने–अपने मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। सभापति ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने स्थानों पर लौट जाने की अपील करते हुए कहा ''आसन चर्चा की अनुमति देना चाहता है लेकिन इस तरह के माहौल में चर्चा कैसे होगी। ज्यादातर सदस्य चाहते हैं कि सदन में कामकाज हो। लोग देख रहे हैं कि हर दिन किस तरह व्यवधान डाला जाता है। आपको यहां हंगामा करने के लिए नहीं भेजा गया है। आप अपना खुद का नुकसान कर रहे हैं।'' सदन में व्यवस्था बनते न देख सभापति ने 11 बज कर आठ मिनट पर बैठक दोपहर बारह बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे बैठक शुरू होने पर

सदन में वही नजारा था। हाथों में तख्तियां लिए विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। उपसभापति हरिवंश ने हंगामा कर रहे सदस्यों से शांत होने और प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध किया। शोरगुल के बीच ही प्रश्नकाल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया, पर्यटन राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल आदि ने अपने अपने मंत्रालयों से संबंधित, विभिन्न सदस्यों के पूरक सवालों के जवाब दिए। सदन में व्यवस्था नहीं बनते देख उपसभापति ने 12 बजकर करीब 40 मिनट पर बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दो बार के स्थगन के बाद उच्च सदन की बैठक दो बजे शुरू होने पर विपक्ष का हंगामा जारी था। नारेबाजी के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता संशोधन 2021 विधेयक चर्चा के लिए रखा। सदन ने संक्षिप्त चर्चा के बाद विधेयक को पारित कर दिया। कुछ सदस्यों ने विध ेयक पर मत विभाजन कराए जाने की मांग की। इस पर पीठासीन अध्यक्ष भुवनेश्वर कालिता ने कहा कि वह मत विभाजन के लिए तैयार हैं लेकिन उसके लिए सदन में व्यवस्था होनी चाहिए। वित्त मंत्री सीतारमण ने हंगामे को ''हिंसक प्रदर्शन'' करार देते हुए कहा कि सदन में व्यवधान उत्पन्न किए जाने के रवैये की भर्त्सना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, '' संसदीय शिष्टाचार बहुत महत्वपूर्ण होता है। असहमति होने पर आप विरोध कर सकते है। बहरहाल, जब कोई सदस्य (सदन में) बोलने के लिए खड़ा हो तो उन्हें बाधित करना और धमकाने वाले अंदाज में उन्हें घेर लेना... यह सब अस्वीकार्य है। '' गौरतलब है कि बीजू जनता दल के सदस्य डॉ अमर पटनायक दिवाला एवं शोध ान अक्षमता संहित संशोधन विधेयक पर चर्चा में भाग ले रहे थे तो हंगामा कर रहे विपक्ष के कुछ सदस्य तख्तियां लेकर उनके समीप भी आ गये थे। वित्त मंत्री ने कहा,''यह पूरी तरह से विचित्र है कि वे लोग जो व्यवधान में वैयक्तिक रूप से योगदान दे रहे हैं, जब वे बोलने के लिए खड़े होते हैं तो चाहते हैं कि सदन में व्यवस्था रहे...यह कितना स्वार्थी रवैया है ?.....जब सदस्यों को बाधित किया जाता है, चाहे वह प्रश्नकाल हो या शून्यकाल हो... कागज फाड़कर उछाले गए, जब कोई मंत्री या सदस्य बोल रहा होता है तो विरोध ा कर रहे सदस्य उसकी तरफ आते हैं...यह (रवैया) भर्त्सना योग्य है। मैं चाहती हूं कि सभी सदस्य इस हिंसा और व्यवधान की भर्त्सना करने में मेरा समर्थन करें।'' विधेयक पारित होने के बाद दोपहर दो बज कर करीब 40 मिनट पर कालिता ने कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

डेरेक ओब्रायन की पापड़ी चाट वाली टिप्पणी पर बोले नकवी, संसद की गरिमा के साथ सांसदों का भी किया घोर अपमान

नयी दिल्ली। महंगाई, रोजगार, पेगासस जासूसी समेत कई मुद्दों को लेकर संसद के मानसून सत्र में गतिरोध जारी है। इसी बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तृणमूल कांग्रेस की आपत्तिजनक टिप्पणी को आड़े हाथों लिया है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस सांसद ने सरकार पर जल्दबाजी में विधेयकों को पारित कराने का आरोप लगाते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि बहुत दुर्भाग्य और शर्म की बात है कि तृणमूल कांग्रेस के एक संसद सदस्य ने संसद की कार्रवाई और जो संसद में कामकाज हो रहा है उसे पापड़ी चाट बनाने से जोड़कर संसद की गरिमा का तो अपमान किया ही है बल्कि संसद सदस्यों का भी घोर अपमान किया है। उनसे माफी मंगवानी चाहिए। नकवी ने यह बात समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कही है। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओब्रायन ने एक ट्वीट में कहा था कि पहले 10 दिनों में संसद में कमाल ! मोदी–शाह ने 12 विध ेयक पारित कराये और इसका औसत समय सात मिनट प्रति विध ेयक है। विधेयक पारित करा रहे हैं या पापड़ी चाट बना रहे हैं।

राहुल के साथ बैठक के बाद बोले मनोज झा, देश में न्याय और आजादी महफूज नहीं रह गई है

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विपक्ष के बड़े नेताओं को आज चाय पर बुलाया था। इस चाय पर चर्चा में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई गई। इस बैठक के बाद आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने बड़ा बयान दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मनोज झा ने कहा कि चर्चा में सदन के अंदर और बाहर संघर्ष का विकल्प तय हुआ है और संविधान की प्रस्तावना को सुरक्षित रखने की बात हुई है। देश में न्याय और आजादी महफूज नहीं रह गई है। पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों पर हम कॉन्स्टिट्यूशन क्लब से संसद तक साइकिल से आए। विपक्षी नेताओं के साथ बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेरे विचार से सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम एकजुट हुए हैं। यह आवाज (जनता की) जितनी एकजुट होगी, यह आवाज उतनी ही शक्तिशाली होगी, भाजपा–आरएसएस के लिए इसे दबाना उतना ही मुश्किल होगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी नेता पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में साइकिल से संसद पहुंचे। राहुल के साथ साइकिल यात्रा पर मनोज झा भी साथ थे। कांस्टीट्यूशन क्लब में विपक्षी नेताओं के साथ नाश्ते पर चर्चा के बाद राहुल गांध ी साइकिल चलाते हुए संसद पहुंचे। उन्होंने साइकिल पर आगे की ओर एक तख्ती लगा रखी थी जिस पर रसोई गैस के सिलेंडर की तस्वीर थी और इसकी कीमत 834 रुपये लिखी हुई थी।

लाल किले पर ओलंपिक दल से मिलेंगे पीएम मोदी

15 अगस्त कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भेजा जाएगा न्योता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ओलंपिक खिलाड़ियों से मुलाकात करने वाले हैं। बता दें कि 15 अगस्त के दिन लाल किले पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिए टोक्यो ओलंपिक में शामिल हुए खिलाड़ियों को न्योता भेजा जाएगा। बता दें कि ओलंपिक खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से न्योता भेजा जाएगा। प्रधानमंत्री लाल किले पर इन खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक 15 अगस्त को प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे भारतीय ओलंपिक दल को विशेष अतिथि

के रूप में लाल किले में आमंत्रित करेंगे। वह उस समय उन सभी से व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे और बात करेंगे। गौरतलब है कि टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए भारत की तरफ से 119 खिलाड़ियों को भेजा गया है। जिसमें 67 पुरुष और 52 महिला प्रतिभागी शामिल हैं। हालांकि अभी तक भारत के नाम कई उपलब्धियां हासिल हो चुकी हैं और बाकी के खिलाड़ी मेडल जीतने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। टोक्यो में मीराबाई चानू और पीवी सिंधु ने भारत का सर फक्र से ऊंचा कर दिया है। हालांकि भारतीय हॉकी की पुरुष और महिला टीम दोनों ने ही कमाल का प्रदर्शन किया है।

तेजस्वी–चिराग के साथ आने को लेकर लालू यादव ने दिया बड़ा बयान

पेगासस मामले में भी की जांच की मांग

राजद प्रमुख लालू यादव आज बहुत दिनों के बाद मीडिया से मुखातिब हुए। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बिहार की राजनीति के साथ–साथ देश के मुद्दे पर भी अपनी राय रखी। बिहार में चिराग पासवान और तेजस्वी यादव के गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोजपा में जो कुछ भी हुआ वह सही नहीं है। चिराग पासवान आज भी लोजपा के नेता बने हुए हैं। मैं चाहता हूं कि तेजस्वी और चिराग साथ आएं।

बिहार में एनडीए की जीत को लेकर लालू यादव ने कहा कि हम बिहार में सरकार बनाने वाले थे। मेरे जेल में होने के

बावजूद मेरे बेटे तेजस्वी यादव ने सत्ताधारी गठबंधन से अकेले लड़ाई लड़ी। हमें धोखे में रखा गया और 10–15 वोटों से हराया गया। लालू यादव ने आज के वरिष्ठ नेता शरद यादव से भी मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने मुलायम सिंह यादव से भी मुलाकात की थी। शरद पवार से मुलाकात के बाद लालू यादव ने कहा कि मैं उनकी तबीयत के बारे में पूछताछ करने आया था। उनकी तबीयत खराब है। उनके बिना संसद सुनी है। हम तीनों यानी कि मैं, शरद भाई और मुलायम सिंह ने कई मुद्दों पर लड़ाई लड़ी है। मैंने कल ही मुलायम सिंह यादव से भी शिष्टाचार मुलाकात की थी। पेगासस मुद्दे को लेकर लालू यादव ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए और जो लोग इसमें शामिल हैं उनके नाम सामने आने चाहिए।

बढ़ती महंगाई को लेकर शिवसेना का मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोल

मेरठ। मोदी सरकार में बढ़ती महंगाई के खिलाफ मंगलवार को मेरठ में शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा व नारेबाजी की। शिवसेना के कार्यकर्ता महिलाओं के साथ कमिश्नरी से कलेक्ट्रेट पर पहुंचे, जहां उन्होंने हाथों में बर्तन लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन भी दिया है। शिवसेना मेरठ महानगर के प्रमुख मोहित त्यागी के नेतृत्व में शिवसेना के कार्यकर्ता छीपी टैंक स्थित कार्यालय से हंगामा प्रदर्शन करते हुए कमिश्नरी के बाहर पहुंचे।इसके बाद जलूस की शक्ल में एकत्रित को सभी कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने हाथ में बर्तन लेकर महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। शिवसेना के

कार्यकर्ताओं ने हंगामा प्रदर्शन करते हुए कहा कि केंद्र में मोदी सरकार है, और मोदी सरकार में महंगाई हर रोज बढ़ रही है। पेट्रोलियम पदार्थों की हर रोज कीमत बढ़ रही हैं। महंगाई ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। गैस सिलेंडर की सब्सिडी खत्म करके मोदी सरकार ने आग में घी डालने का काम किया है। पहले नोटबंदी, फिर जीएसटी और फिर लॉकडाउन ने गरीब लोगों की कमर तोड़ दी है। आम आदमी महंगाई की मार से परेशान हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनता को राहत देने के बजाय महंगाई के बोझ तले जनता को मार रही है। इसके बाद केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि शिवसेना मांग करती है कि पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती हुई कीमत पर अंकुश लगाया जाए। घरेलू गैस सिलेंडरों की सब्सिडी खत्म कर दी गई है वह दोबारा शुरू की जाए। शिवसेना केंद्र सरकार की बर्खास्तगी की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

योगी ने प्रशिक्षु पीसीएस अफसरों को दिए नियुक्ति पत्र

कहा- हर व्यक्तिको न्याय देने का संकल्प लें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब तक 4.5 लाख लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है। उनकी सरकार में एक भी भर्ती पर सवाल नहीं उठे। पहले की भर्तियों की सीबीआई जांच होती थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशिक्षु पीसीएस अधिकारियों से कहा कि वह पहले दिन से ईमानदारी, पारदर्शिता व न्याय के संकल्प के साथ आगे बढ़े। हर व्यक्ति को न्याय मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लोकभवन में राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित 2019 बैच के पीसीएस अधिकारियों को नियुक्ति पत्र देने के बाद उन्हें संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने पहले दिन से इन संकल्पों पर ध्यान नहीं दिया वे भविष्य में खुद के लिए समस्या बन जाते हैं। उनके खिलाफ शिकायत, जांच, डिमोशन व बर्खास्तगी शुरू हो जाती है। जो अच्छा करते हैं उनका सुनहरा भविष्य होता है। कलेक्टर, कमिश्नर व सचिव तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि 4.5 लाख लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है। उनकी सरकार में एक भी भर्ती पर सवाल नहीं उठे। पहले की भर्तियों की सीबीआई जांच होती थी।

भारत की राजनीति में घुसने के लिए चीन ने बनाया था वाम दलों को अपना दोस्त, विजय गोखले का खुलासा

पूर्व विदेश सचिव विजय गोखले ने अपनी नयी किताब में भारत के पड़ोसी देश के साथ संबधों को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। विजय गोखले ने अपनी किताब में चीन के बारे में खुलासा किया है कि चीन ने भारत की राजनीति में दखल देने के लिए भारतीय वाम दलों का सहारा लिया था। चीन ने 2007 और 2008 के बीच भारत–अमेरिका परमाणु समझौते के लिए ष्घरेलू विरोध का निर्माणष करने के लिए भारत में वाम दलों के साथ अपने षनिकट संबंधोंष का इस्तेमाल किया। यह भारतीय घरेलू राजनीति में राजनीतिक रूप से संचालित करने के लिए चीन का पहला उदाहरण था। इस कदम का भारत की राजनीति और कूटनीति पर प्रभाव पड़ा। पूर्व विदेश सचिव विजय गोखले की नई किताब, द लॉन्ग गेमरू हाउ द चाइनीज नेगोशिएट विद

इंडिया का हिस्सा है, जिसे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित किया गया था, जिसने हाल ही में स्टैंड हिट किया।

अपने 39 साल के राजनयिक करियर में, गोखले विदेश मंत्रालय की तरफ से चीन डेस्क पर सात साल और पूर्वी एशिया में सात साल बिताए हैं। उन्होंने चीन में भारत के राजदूत के रूप में काम किया है और उन्हें देश के शीर्ष चीन–दर्शकों में से एक माना जाता है। जनवरी 2018 में, उन्होंने विदेश सचिव के रूप में एस जयशंकर की जगह ली और पिछले साल सेवानिवृत्त हुए।

गोखले की पुस्तक में छह विषयों को शामिल किया गया है, जिन पर भारत और चीन ने पिछले 75 वर्षों में बातचीत की – भारत की पीपुल्स रिपब्लिक चीन की मान्यता से लेकर तिब्बत तक, पोखरण, सिक्किम में परमाणु परीक्षण, भारत–अमेरिका परमाणु समझौता और मसूद अजहर की श्वैश्विकश के रूप में सूची संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (न्छैब) में आतंकवाद शामिल है।

पीएम से आईबा ने की अपात्र कृषकों का चयन करने वाले अधिकारियों के वेतन से रिकवरी की अपील

गोंडा। ऑल इंडिया बैंक अकाउंट होल्डर एसोसिएशन के संस्थापक प्रवीण मिश्रा एडवोकेट ने एसोसिएशन की ओर से प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर किसान सम्मान निधि के लिए चयनित किए गए अपात्र कृषको का चयन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों से सम्मान निधि की राशि रिकवरी कराने की अपील की है। प्रधानमंत्री को भेजे गए अपील में अपात्र घोषित किए गए भूमिहीन किसान जिनके पास खेती करने के लिए जमीन भी नहीं है और वह दूसरी की जमीन पर बटाई की खेती करके अपना जीविकोपार्जन करते हैं। ऐसे कृषक भारत देश में विकास के पायदान पर सबसे निचले स्तर पर खड़े हैं और किसान सम्मान निधि से उनको काफी आस भी रही है। किसान सम्मान निधि बंद होने से जहां उनको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा वहीं दूसरी ओर बटाई पर मिलने वाली खेती भी वह नहीं कर सकेंगे। यही नहीं जो भी किसान किसान सम्मान निधि पा रहे हैं या पा रहे थे उनका सत्यापन विभाग के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के द्वारा किया गया था। ऐसे में किसान सम्मान निधि पाने वाले अपात्र कृषकों से ज्यादा दोषी उनका सत्यापन करने वाले अधिकारी हैं जिससे सरकारी विभाग में अनर्गल लाभ के चलते भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है इस पर अंकुश लगाए जाने के लिए गलत सत्यापन करने वाले दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। अपील में श्री मिश्र ने अपने संगठन के सदस्यों एडवोकेट हाईकोर्ट सुरेंद्र मिश्रा, एडवोकेट प्रदीप शुक्ला, अजय कुमार मिश्र, आरके जयसवाल, पीके भारती, रमेश कुमार शुक्ला, राजू ओझा, दीपक कुमार, अनिल जायसवाल समेत सभी सदस्यों के साथ अपात्र घोषित किए गए किसानों से आधी रिकवरी कराते हुए बाकी की आधी रिकवरी सत्यापन करने वाले अधिकारियों के वेतन से कराने की बात कही है।

कार्यवाहक आईजी अविरल कुमार द्वारा शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनकर कराया शिकायतों का त्वरित निस्तारण

गोंडा। यूनिसेफ इण्डिया के सहयोग से आयोजित अभियान "पुलिस चिल्ड्रेन इण्टरफेस प्रोग्राम" के तहत यूनिसेफ इण्डिया, महिला शक्ति सेवा समिति गोण्डा व चाइल्ड हेल्प लाइन गोण्डा के सहयोग से शिविर कार्यालय गोण्डा में पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र के दिशा–निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में गांधी विद्यालय गोण्डा के छात्र अविरल कुमार को एक घण्टे के लिये कार्यवाहक आईजी का पदभार सौंपा गया। गाँधी विद्यालय गोण्डा के छात्र कार्यवाहक आईजी अविरल कुमार द्वारा शिविर कार्यालय में आये हुये शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना गया एवं शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।

जनपद गोण्डा के एक प्रकरण में मौके पर उपस्थित अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा शिवराज को प्रकरण के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। "पुलिस चिल्ड्रेन इण्टरफेस प्रोग्राम" कार्यक्रम में गाँधी विद्यालय के छात्र कृष्ण कुमार, वैभव, विशाल व छात्रा खुशबू, प्रतिभा को भी बारी–बारी से कार्यवाहक आईजी बनाया गया। आईजी डा0 राकेश सिंह द्वारा बच्चों से परिचय प्राप्त कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। आईजी डा0 राकेश सिंह द्वारा सभी बच्चों से संवाद कर उनकी शैक्षिक योग्यता व उनके घर–परिवार आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी तथा उन्हे मेहनत व लगन के साथ पढाई करने,खेलकूद में रुचि रखने वाले बच्चों को पढ़ायी के साथ–साथ खेलकूद को अपने जीवन का अहम बनाने की बात कही गयी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। आईजी राकेश सिंह द्वारा बताया गया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस व बच्चों के बीच की सामाजिक दूरी को कम करते हुये बच्चों को पुलिस के कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान कर जागरुक व निडर बनाना तथा पुलिस व जनता के बीच सामाजिकता का विस्तार करना है। 'इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा शिवराज,यूनिसेफ इण्डिया के मण्डलीय रिसोर्स पर्सन अनिल यादव,चाइल्ड हेल्प लाइन के आशीष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

गरीबों को मिलेगा सम्मान, पांच अगस्त को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रति यूनिट मुफ्त में मिलेगा 5 किलो राशन

जिले में कोटे की सभी दुकानों पर मनाया जाएगा अन्नोत्सव, डीएम ने बैठक कर तय की रणनीति

गोंडा । आगामी 05 अगस्त को प्रधानमंत्री गरीब कन्याण अन्न योजना के तहत उचित दर दुकानों पर महत्वाकांक्षी निःशुल्क खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम को पूरे जनपद में उत्सव में रूप में मनाया जाएगा। इस बावत डीएम मार्कण्डेय शाही व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने जिला पंचायत सभागार में वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों तथा सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर रणनीति तैयार की तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी श्री शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रत्येक कोटे की दुकान पर प्रथम दिन कम से कम सौ लाभार्थियों को आमंत्रित कर उन्हें सरकारी थैले में प्रति यूनिट पांच किलो राशन मुफ्त में दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया यह खाद्यान्न, खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रतिमाह मिलने वाले खाद्यान्न के अतिरिक्त दिया जा रहा है तथा इस योजना के तहत आगामी नवम्बर माह तक फ्री में राशन दिया जाएगा। जबकि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रतिमाह मिलने वाला मुफ्त राशन अगस्त तक ही मिलेगा। इसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मिलने वाला राशन सशुल्क दिया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक कोटे की दुकान पर जिलाधिकारी द्वारा नियुक्त नोडल व पर्यवेक्षणीय अधिकारी उपस्थित रहेंगें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक दुकान पर सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे। योजना को सफल बनाने के लिए कोटेदार के साथ ही ग्राम प्रधान, लेखपाल, पंचायत सचिव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक कोटे की दुकानों को फूल–मालाओं से सजाया जायेगा तथा कार्ड धारकों को बतौर मेहमान आमंत्रित कर राशन दिया जाएगा।

बैठक में डीएम ने निर्देश दिए कि प्रत्येक उचित दर दुकान पर खाद्यान्न वितरण हेतु 100 से 150 लाभार्थियों को चिन्हित कर उन्हें विशेष आमंत्रण पत्र का प्रेषण किया जाय तथा लाभार्थियों को कार्यक्रम प्रारम्भ होने के एक घण्टा पूर्व बुला लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूनिट के अनुसार पूरी मात्रा में खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण झोले (थैले) में ही होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि कार्डधारकोंध्लाभार्थियों को यह जानकारी अवश्य दी जाए कि उन्हें दिया जाने वाला खाद्यान्न निःशुल्क है और रूटीन में वितरित होने वाले खाद्यान्न के अतिरिक्त वितरित किया जा रहा है। साथ ही ई–पॉस मशीनों की विधिवत् चेकिंग समय से कर ली जाए तथा खराब मशीनों के स्थान पर ठीक मशीनों की व्यवस्था की जाए। फूल–माला, स्टैण्डी, फ्लेक्सी बोर्ड, गुब्बारे आदि से उचित दर दुकान व कार्यक्रम स्थल की सजावट, ताकि उत्सव का माहौल दिखे।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए है कि वन टांगिया ग्रामों में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपनी उपस्थिति में खाद्यान्न वितरण कराया जाएगा। इसके अलावा कार्यक्रम को उत्सव का रंग देने के उद्देश्य से कोटेदारगण नजदीकी उपलब्ध स्थान पर संक्षिप्त ओवर का क्रिकेट मैच भी आयोजित करा सकते हैं तथा वहीं पर अपनी दुकान के बैनर तले लाभार्थियों को खाद्यान्न किट भी दिला सकते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में गांव के हाईस्कूल, इंटरमीडियट परीक्षा में इस बार अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रेरणादायी पुस्तक आदि देकर सम्मानित भी किया जा सकता है एवं गांव के सबसे बुजुर्ग कार्ड धारक को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि वितरण स्थल पर एक मेले जैसा आयोजन कराया जाए, जिसमें बच्चों की अभिरूचि से सम्बन्धित गुब्बारे, खिलौने, खाद्य सामग्री आदि की उपलब्धता, खेल प्रतियोगिता क्रिकेट, कबड्डी, बालीबाल एवं परम्परागत खेल जैसे गिल्ली डंडा, पतंगबाजी (चाइनीज माझा रहित) आदि भी आयोजित किए जा सकते हैं। एक साथ कई कार्यक्रमों का आयोजन हो सकता है जिसकी अलग–अलग जिम्मेदारी अलग–अलग टीमों को दी जा सकती है। प्रत्येक लाभार्थी को मास्क वितरण एवं कार्यक्रम स्थल पर सोसल–डिस्टैंसिंग, सैनिटाइजर की व्यवस्था कराते हुए कोविड प्रोटोकाल का पालन कराया जाए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ब्लाकवार अच्छी सुसज्जित दुकानों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। पूरे कार्यक्रम की मानीटरिंग के लिए जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित प्रत्येक दुकान के लिए नोडल अधिकारी नामित रहेगें जो अपनी उपस्थिति में खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराएंगें। इसके अलावा व्हाट्सएप के माध्यम से पूरे कार्यक्रम की लाइव मानीटरिंग की जाएगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी, एडीएम राकेश सिंह, एएसपी शिवराज, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेटध्एसडीएम सदर सूरज पटेल, सभी एसडीएम व पुलिस क्षेत्राधिकारी, डीएसओ, डिप्टी आरएमओ, सभी बीडीओ, ईओ, पूर्ति निरीक्षकगण, नगर निकायों के अध्यक्ष सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आकर रेलकर्मी की मौत

इटियाथोक (गोंडा)। गोरखपुर गोंडा रेल प्रखंड पर स्थित बकठोरवा व सुभागपुर रेलवे स्टेशनों के बीच, बीती रात ट्रेन की चपेट में आने से 27 वर्षीय रेलकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची थाना कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मृतक देवेंद्र मिश्रा (27) पुत्र सूर्य नारायण मिश्रा निवासी अमराडीहा मौजा गनवरिया रेलवे में गैंगमैन के पद पर कार्यरत था। बीती रात अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। सुबह देवेंद्र मिश्रा का क्षत–विक्षत शव रेलवे ट्रैक पर कुछ ग्रामीणों ने देखा। इसकी सूचना तत्काल स्टेशन अधीक्षक सहित संबंधित थाना इटियाथोक व देहात कोतवाली को दी। दोनों थानों की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने में जुटी है। वहीं देहात कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सिचाई के फर्जी आकडे शासन एव उच्चाधिकारियो को भेज किया जा रहा गुमराह

गोंडा। सरयू नहर खण्ड 3 गोंडा द्वारा सिचाई के फर्जी आकडे शासन एव उच्चाधिकारियो को भेज कर गुमराह किया जा रहा है जबकी खन्ड मे लगे कुलाबो मे पानी नही पहुच रहा है जिससे किसानो को पानी नही मिल पा रहा है फर्जी सिचाई दिखाकर करोडो रुपये का फर्जी सिचाई राजस्व प्राप्ति अथवा किसानो की माफी की सूचना अभियंता द्वारा भेजी जा रही है। खन्ड मे नहरो मे करोडो रुपए की मरम्मत कार्य दिखाकर फर्जी भुगतान कराया गया जबकी धरताल पर कोई कार्य नही हुआ है और न ही जनता को सिचाई का लाभ मिल रहा है। करोडो रुपए का फर्जी भुगतान कर अभियंता जरुर करोड़पति बन गये है। कई ग्राम प्रधनो ने इस सम्बंध मे शिकायत मुख्यमंत्री,सिचाई मंत्री, शासन, आयुक्त, जिलाधिकारी से की गई है।

सोने से बनाया जाय राम मंदिर का गर्भगृहः संतोष दुबे

अयोध्या। रामनगरी में श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे रामलला के मंदिर को भव्यतम रूप देने की मांग उठ रही है। बाबरी विध्वंस के मामले में आरोपित रहे शिवसेना पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख संतोष दुबे ने मंदिर के गर्भगृह को सोने से बनाए जाने की मांग की है। दुबे ने बताया कि इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संगठन की ओर से पत्र लिखा गया है। कहा गया है कि राम मंदिर के लिए तमाम आस्थावानों ने प्राण तक गंवा दिए। ऐसे में पूरे देश की मंशा के अनुरूप भगवान राम का मंदिर बनना चाहिए। श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम का मंदिर निर्माण कार्य श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से कराया जा रहा है। शिवसेना के पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रमुख संतोष दुबे ने अपनी मांग से संबंधित एक पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा है। दुबे ने अपने पत्र में कहा कि पीएम मोदी ने संसद में यह बयान दिया था कि दुनिया का सबसे भव्य मंदिर अयोध्या में बनेगा और यह हिंदुओं की इच्छा भी है। ऐसे में इस मंदिर को भव्यतम रूप देने के लिए मंदिर के गर्भगृह को पूर्ण रूप से स्वर्ण निर्मित होना चाहिए। इसके लिए जो भी आवश्यकता होगी वह भारतीय समाज पूरा करेगा।

दुर्गापूजा स्थल का भूमि पूजन कर विधायक ने रखी आधारशिला

रूदौली–अयोध्या। ..रूदौली के वजीरगंज मोहल्ला में हुआ भूमिपजन।दुर्गापूजा स्थल का भूमिपजन किया गया।भाजपा विधायक रामचंद्र यादव ने दुर्गापूजा स्थल पर मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन किया।भूमिपूजन के बाद श्री यादव ने मंदिर निर्माण के लिए रखी ईट।पुजारियों ने मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन की शुरुआत की और फिर विधायक रामचंद्र यादव द्वारा मंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखा।इस सिद्ध स्थल पर करीब 22 वर्षो से लगातार नवरात्रि में माँ दुर्गा की प्रतिमा रखकर पूजा अर्चना किया जाता है।माँ दुर्गा के स्थान पर जो भी लोग सच्चे मन से मनौती मानते है उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।और मंदिर बन जाने से माँ दुर्गा की प्रतिमा को विधि विधान से स्थापित किया जाएगा।इस मौके पर भाजपा नेता तेज तिवारी,जिला पंचायत सदस्य राम नेवल लोधी,श्रीनाथ यादव,रामराज लोधी,निर्मल शर्मा,कुलदीप सोनकर,विधायक प्रतिनिधि राजकिशोर सिंह,भाजपा युवा नेता आदर्श चन्द्र यादव,सचिन कसौधन,आशीष वैश्य दाऊ,नगर अध्यक्ष शेखर गुप्ता,शनि पंडित,आदि लोग मौजूद रहे।

प्रधान संघ सोहावल का हुआ गठन

सोहावल–अयोध्या।विकास खण्ड सोहावल के चौधरी चरण सिंह सभागार में सर्व सम्मति से प्रधान संघ सोहावल का गठन किया गया। प्रधान संघ संरक्षक अम्बरीष पांडेय अध्यक्ष शिवाकांत तिवारी उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह धमसादीन रावत महामंत्री योगेंद्र सिंह फौजी अखिलेश सोनी मंत्री देवनाथ चौरसिया राकेश रावत दुर्गा प्रसाद निषाद मुकेश कुमार कोषाध्यक्ष सूर्य नरायन गुप्ता संयुक्त मंत्री अयोध्या प्रसाद वर्मा कार्यकारिणी सदस्य नदीम मलिक मुन्ना मिश्रा वीरेंद्र प्रताप सिंह जगन्नाथ निषाद अमन प्रताप रघुवंश मणि अमित कुमार रामचंद्र रावत अनुज कुमार मिश्रा विष्णु निषाद रामकिशुन इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि गिरजेश तिवारी कप्तान तिवारी सर्वेश सिंह वीरेंद्र प्रताप सिंह पिंकू अबिरल तिवारी जीत बहादुर यादव करम राज सर्वेश कुमार मौर्य प्रधान राजेश तिवारी नीरज कनौजिया प्रधान मनीराम रामबचन यादव विनीता बृज कुमार (नकछेद) आदि लोग मौजूद रहे।

फौजी बनकर लोगों पर झाड़ता था रौब, पकड़ा गया

मध्यप्रदेश के भिंड जिले का रहने वाला है आरोपी

अयोध्या। फौजी ड्रेस पहनकर लोगों से धोखाधड़ी और रौब दिखाने के आरोप में मध्यप्रदेश के भिंड जिले के युवक को पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। नगर क्षेत्राधिकारी पलास बंसल ने पत्रकारों से वार्ता में बताया कि मिलट्री इंटेलिजेंस ने पूर्व में सूचना दी। जिसमें कहा गया कि कैंट थाना क्षेत्र में फर्जी व्यक्ति अपने आपको मिलिट्री का लेफ्टिनेंट बताकर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहा है। जिसके बाद थाना कैंट की पुलिस और एसओजी की टीम ने संयुक्त रूप से उसकी जांच शुरू कर दी थी। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी मध्यप्रदेश के भिंड जिले के ग्राम भवनपुरा थाना फूप का रहने वाला है। पूछताछ में अपना नाम सौरभ बताया है। पुलिस ने उसके पास से फर्जी आईकार्ड, अवैध आर्मी की वर्दी, जूता, नेम प्लेट, मोहर, कैप, मोबाइल, पर्स समेत कई अन्य सामान बरामद किए है। आरोपी आर्मी की वर्दी पहनकर नवयुवक युवतियों को अपने जाल में फंसाता था। भर्ती कराने के नाम पर मोटी रकम ऐंठता था। आर्मी इंटेलिजेंस के इनपुट पर कैंट थाने की पुलिस के साथ एसओजी टीम ने सहादतगंज बैरियार से अभियुक्त सौरभ सिंह उर्फ दीपू को गिरफ्तार कर लिया। सेना की वर्दी, आईकार्ड, कालर बैंड, नेम प्लेट, मुहर, स्पेशल फोर्स डोरी, फ्री फायर बलिदान बैच, कैप, पर्स व मोबाइल समेत कई अन्य सामान हुए बरामद हुआ। एएसपीध्क्षेत्राधिकारी नगर पलाश बंसल ने बताया कि अभियुक्त सौरभ सिह यह काम कर निजी शौक पूरा करता है तथा लोगो को अपने विश्वास मे लेकर ध्ोखाधड़ी करके बेवकूफ बना कर धन उगाही करता था। कैंट थाने में आईपीसी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसएचओ अरुण प्रताप सिह प्रभारी निरीक्षक थाना कैन्ट, एसआई विवेक कुमार राय, शिवानन्द यादव आदि शामिल रहे।

मोहर्रम पर पुलिस से जारी गाइडलाइंस का विरोध शुरू

ताजियादार कमेटी ने दिया सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। मोहर्रम को लेकर डीजीपी की तरफ से जारी गाइड लाइन का विरोध शुरू हो गया है।ताजियादार कमेटी ने वापस करने के संबंध में एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट सत्य प्रकाश सिंह को दिया। फैजाबाद ताजियादार कमेटी के अध्यक्ष हसन इकबाल ने कहा कि जिस तरह से गाइडलाइन आई है वह भ्रमित करने वाली है। मोहर्रम में हम पुरसा पेश करते हैं। किसी भी धर्म को ठेस पहुँचे ऐसा कोई काम भी मोहर्रम में नही होता है।कमेटी उपाध्यक्ष हामिद जाफर मीसम ने कहा कि मोहर्रम के जुलूस में मजलिस मातम होता है। मोहर्रम में किसी को भला बुरा नही कहा जाता है। इस गाइड लाइन से सभी धर्मों को ठेस पहुंची है। मोहर्रम में शिया, सुन्नी, हिन्दू सभी की आस्था है। कहा कि हमारे सुन्नी भाई भी मोहर्रम में ताजिया रखते हैं। कमेटी सचिव मोनू मिर्जा ने कहा कि मोहर्रम से सम्बंधित इस गाइडलाइन को तत्काल निरस्त करके नई गाइडलाइन जारी की जाए। आपसी सौहार्द्र के लिए वापस होना जारी है। कन्वीनर अशफाक हुसैन जिया ने कहा कि इस गाइड लाइन से हम लोगों के दिलो में जो ठेस पहुँची उसको प्रशासन को मानना चाहिए और शासन को तुरंत दखल देकर इसको निरस्त करके नई गाइडलाइन जारी करनी चाहिए। हमारे अलीमेदीन भी लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। जब तक गाइड लाइन वापस नहीं होती ताजियादार कमेटी किसी भी बैठक में भाग नहीं लेगी। इस मौके पर ताजियादार कमेटी के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के अलावा सैयद परवेज, सचिव मोनू मिर्जा, उपसचिव सैफी कमर एडवोकेट, ताहा आबिदी, पार्षद सलमान हैदर, वसीम हैदर जिग्गु, मिर्जा शहाब शाह, साहबजादे एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष मुनीर आबिदी, पूर्व कन्वीनर वसी हैदर गुड्डू,जियो हैदर, करम अली आदि लोग मौजूद थे।

अरविंद अर्पण बने व्यवसायिक प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक

गोसाईगंज–अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन ने सभी प्रकोष्ठ का गठन करते हुए गोसाईगंज नगर के वरिष्ठ अगरबत्ती व्यवसाई अरविंद अर्पण को व्यवसायिक प्रकोष्ठ का क्षेत्रीय संयोजक बनाने की खबर जैसे ही सोशल मीडिया पर आई तो तुरंत अयोध्या व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष एवं विधायक गोसाईगंज प्रतिनिधि संजय पराग ने दूरभाष पर क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्रा पिछड़ा वर्ग के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिव नायक वर्मा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा को सोशल मीडिया एवं दूरभाष पर बधाई दी बताते चलें श्री अर्पण इससे पहले के कार्यकाल में सह संयोजक के रूप में संगठन का कार्य कर चुके हैं प्रदेश नेतृत्व का बहुत–बहुत आभार साथ ही गोसाईगंज नगर के व्यापारियों के अंदर एक खुशी का इजहार भी हुआ कि अपने बीच का कोई व्यापारी प्रदेश के संगठन में बनाया गया इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी और व्यापार मंडल के पदाधिकारी श्रीनाथ गुप्ता श्रीप्रकाश जायसवाल ईश्वर देव पांडे प्रदीप जयसवाल ओमप्रकाश सर्राफा बंसीधर गुप्ता डॉक्टर भान प्रताप डॉक्टर गुलाब सिंह गोपीनाथ पवन जयसवाल जयप्रकाश साहू प्रशांत गुप्ता बजरंग समिति अध्यक्ष अशोक मोदनवाल ओम प्रकाश सोनी अनिल कुमार मल्लू संजय नवोदित हेमंत कसौधन अवधेश स्वर्णकार बजरंग चौरसिया के साथ–साथ नगर पंचायत अध्यक्ष रमेश चंद कसौधन ने श्री अर्पण को बधाई दी गोसाईगंज नगर के व्यापारियों राइस मिलर पेट्रोल पंप फैक्ट्री और कारखानों के मालिकों सर्राफा एसोसिएशन ने इसको व्यापारी समाज की बहुत बड़ी जीत बताई।

हर न्याय पंचायत में दो किमी पदयात्रा करेगी कांग्रेस

2022 के विधानसभा चुनाव के लिए कसी कमर

अयोध्या। विधानसभा चुनाव 2022 में फतह के लिए कांग्रेस कमेटी हर न्यायपंचायत में दो किमी पदयात्रा निकालेगी। जिसकी शुरुआत 09 अगस्त से होगी। 9,10 व 11 अगस्त को पदयात्रा के माध्यम से गांव–गांव कांग्रेस पार्टी पूर्व में किए गए कार्यों से लोगों को अवगत कराएगी। लोगों को कांग्रेस पार्टी से जोड़ा जाएगा। पार्टी का यह कार्यक्रम 2022 के विधानसभा चुनाव में मील का पत्थर साबित होगी। प्रदेश सचिवध्जनपद प्रभारी हनुमंत विश्वकर्मा ने यह जानकारी दी। वे .कमला नेहरू भवन में 2022 विधानसभा चुनाव की तैयारी बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव व संचालन जिला प्रवक्ता मोहम्मद शरीफ ने किया।

उन्होंने सभी ब्लॉक अध्यक्षों, ब्लॉक प्रभारियों व पदाधिकारियों से अबिलंब न्याय पंचायत अध्यक्षों, ग्राम अध्यक्षों एवं कांग्रेस के बीएलओ के नामों को जिला कार्यालय व प्रदेश कार्यालय भेजने की अनुरोध किया। विश्वकर्मा ने कहा कि आने वाले 2022 के विधानसभा चुनाव में काम करने वालों को ही प्राथमिकता दी जाएगी।इसकी समीक्षा समय –समय पर स्वयं उनके व प्रदेश कांग्रेस एवं नियुक्त पर्यवेक्षकों द्वारा की जाएगी। जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा पार्टी के कार्यक्रमों में सभी पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी व पूरी कर्मठता से करना होगा। ब्लॉक प्रभारियों व ब्लॉक अध्यक्षों की विशेष जिम्मेदारी होगी। उन्होंने प्रदेश सचिव को आश्वस्त किया कि वह प्रदेश के निर्देशों का पूरी तरह पालन करते हुए पार्टी की मजबूती के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। बैठक में एआईसीसी सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह, अशोक सिंह, उग्रसेन मिश्रा, प्रदेश सचिव सुनील पाठक, महानगर अध्यक्ष अकबर अली मेजर, पूर्व जिलाध्यक्ष रामदास वर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कमलासन पाण्डेय, पीसीसी सदस्य अशोक सिंह, वेद कमल सिंह, राम करन कोरी, शरद शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

11 माह से डॉक्टर विहीन था, नियुक्ति होने के बाद भी डॉ नही आते अस्पताल, मरीज परेशान

- अस्पताल में सांप के केचुल उसी में भर्ती रहा मरीज
- कमरों से आ रही दुर्गन्ध, नही है साफ सफाई की व्यवस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। आयुष्मान भारत के तहत बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अलीगढ़वा की स्थिति दुष्वारियों बयां कर रही है। अस्पताल विगत 11 माह से डॉक्टर विहीन है,जो एक फार्मासिस्ट वा अटैचमेंट वर्डब्याय के सहारे चल रहा है,डॉ के होने पर यहां मरीजो की संख्या 100 के करीब रहती थी,आज घटकर संख्या 20 रह गयी है, डॉ के नही होने के कारण मरीज बर्डपुर व जिला अस्पताल की ओर करते है रुख,जिसे अधिक दूरी तय करनी पड़ती है,यह अस्पताल सीएचसी बर्डरपु के अधीनस्थ आता है,कैम्पस में डॉ आवास निर्मित है,लेकिन कभी निवास नही करते,भवन जर्जर हो गिर रहा है, मरीजो को पीने के लिये पानी की कोई व्यवस्था नही,आधी अधूरी बाउंड्रीवाल का निर्माण करा निकल गया,अस्पताल के इर्दगिर्द दूषित पानी जमा है,जिससे दुर्गन्ध निकलता है,बीमारी फैलने का भय बना रहता है,घास फूस से घिरा आवास और अस्पताल जहरीले सापों का बना रहता है बसेरा। तकरीबन 10 हजार आबादी वाले क्षेत्र में यह अस्पताल निर्मित है।अंदर गंदगी का अंबार लगा है,जहरीले सांप के केचुल कमरे में पड़े दिखे, मरीज को उसी में भर्ती किया गया था, फार्मासिस्ट रामदास ने कहा डॉ का तबादला हुए 11 माह हो गए लेकिन अभी तक किसी को पोस्ट नही किया गया। डॉ ने दवा स्टोर की एक चाभी अस्पताल में जमा भी नही किये है,कोई वारदात होने पर जिम्मेवार कौन होगा। डॉ प्रभात थे तैनात चाभी जमा नही हुई तो सीएमओ को कराएंगे अवगत। बोले ग्रामीण 1– गांव के पास बने आयुष्मान भारत के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से कोविड में गांव वालों को काफी मदद मिली,लेकिन कुछ महीनों से अस्पताल जाते है तो डॉ साहब नही दिखते है,जिससे लोगो को काफी दिक्कत महसूस होती है,अस्पताल पर डॉक्टर की तैनाती जल्द होनी चाहिए ताकि इस महामारी में मरीजो को सेवा मिल सके। ग्रामीण बरकत अली नवरिया 2–अलीगढ़वा के नाम से बना अस्पताल गनवरिया बिजली फीडर के पास है,फिर भी बच्चों का स्वास्थ्य विगड़ने पर पैदल अस्पताल पहुचते थे, नजला, खासी, डायरिया, बुखार की प्राथमिक उपचार मिल जाता रहा,विगत 11 माह से अस्पताल पर कोई डॉक्टर नही मिलता है,जिससे हम ग्रामीणों को असुविधा होती है,क्षेत्र के गरीब मरीजो को फ्री इलाज मिल रहे थे,अब शहर की ओर भागना पड़ता है,या फिर प्राइबेट अस्पताल पर जाना पड़ता है,जहा जेब ढीली करनी पड़ती है। गोपाल मोदनवाल ग्रामीण अलीगढ़वा 3– अस्पताल पर डॉक्टर साहब नही मिलते है, अपना व बच्चन के तबीयत खराब होती थी तो पहले साहब मिलते थे और दवा देते थे आराम मिल जाता था,अब जाते है तो एक आदमी रहता है,डॉक्टर साहब नही दिखते है,इसी लिये अब नही जाते, ग्रामीण घरभरन गौरी 4– दस हाजर आवादी वाले क्षेत्र में एक ही सरकारी अस्पताल है,देश मे कोविड जैसी महामारी फैली है,बचाव और इलाज के लिये जागरूक किया जा रहा है,आम आदमी बचाव के सहारे ही चल रहा है,गरीब परिवार के लिये एक उपचार का साधन अलीगढ़वा स्वास्थ केंद्र था। यह विगत 11 माह से डॉक्टर की तैनाती नही है,जल्द ही स्वास्थ्य विभाग महकमा अस्पताल पर डॉ की तैनाती करें,ग्रामीण मरीजो को राहत मिल सके। ग्रामीण कमरुद्दीन खान सलारगढ़ कपिलवस्तु। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अलीगढ़वा में डॉक्टर की तैनाती नही बाकी रह गयी थी,सीएमओ को पत्र लिखा गया है,अश्वासन के बाद डब्लू एचओ के द्वारा डॉ की तैनाती हुई है, अलीगढ़वा का सफाईकर्मी मुख्यालय अटैच हो गया है,जिससे सफाई प्रभावित हो सकती है,कर्मी की तैनाती करा सफाई व्यवस्था सुधारा जाएगा। बर्डपुर सीएचसी प्रभारी डॉ सुबोध चंद्र।

प्रदेश में सड़कों एवं पुलों का निर्माण कर आवागमन को बनाया गया सुगम:योगी आदित्यनाथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मानव विकास में आवागमन का बहुत बड़ा महत्व रहा है। विकास के साथ ही पैदल पगडंडिया पहियों, बैलगाड़ी, घोड़ागाड़ी, इक्का, तांगा आदि परम्परागत साधनों के साथ ही आधुनिक साइकिल, रिक्सा, मोटर वाहन, रेल, वायुयान आदि यातायात के संसाधनों का तीव्रगति से विकास हुआ है। आज आर्थिक विकास के लिए आवागमन के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कों, पुलों का निर्माण जरूरी है। प्रदेश सरकार गॉवों से शहरों तक अच्छी गुणवत्ता की सड़क व पुल बनाकर लोगों का चतुर्दिक विकास कर रही है। उत्तर प्रदेश में यातायात को सुगम्य व सरल बनाने के लिये जहां सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है वहीं पुलों और शासकीय भवनों का गुणवत्तापूर्ण निर्माण भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जहां बड़ी संख्या में स्टेट हाईवे घोषित कर उनके चौड़ीकरण, सौन्दर्यीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्य कराये जा रहे हैं, वहीं ग्रामीण सम्पर्क मार्गों पर विशेष ध्यान देते हुए निर्माण किया जा रहा है। सच मायने में उ0प्र0 की सड़कें और पुल प्रदेश के विकास का मापदण्ड और आधार साबित हो रहे हैं। जनता की मूलभूत आवश्यकताओं में सड़कें और पुल भी हैं क्योंकि बिना सम्पर्क मार्गों व बिना सेतुओं के न तो जनता अपने गन्तव्य तक आसानी से पहुंच सकती है, न ही विपणन व्यवस्था सुदृढ़ हो सकती है। इसी दृष्टिकोण से उ0प्र0 में लोक निर्माण विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पर्क मार्गों का जाल बिछाया गया है, वहीं पुल–पुलियों का निर्माण कर लोगों के गन्तव्य स्थल की दूरी को कम किया गया है। मंडियों, बड़े धार्मिक स्थलों, मुख्य बाजारों, मेला स्थलों आदि को भी सम्पर्क मार्गों से जोड़ा गया है। नगरीय क्षेत्रों व अन्य भीड़भाड़ वाले स्थलों जहां पर जाम की समस्या हमेशा बनी रहती थी, वहां पर फ्लाईओवर व बाईपास बनाकर जाम की समस्या से निजात दिलाते हुये यातायात को सुगम बनाया गया है। लखनऊ शहर में तुलसीदास मार्ग विक्टोरिया स्ट्रीट पर हैदरगंज तिराहा से मीना बेकरी से पूर्व तक 02 लेन फ्लाईओवर निर्माण करके उ0प्र0 सेतु निगम ने बड़ी सफलता हासिल की है। जब तक यह फ्लाईओवर नहीं था लगभग डेढ़ दर्जन मोहल्लों के लोगों सहित अन्य लोगों को आवागमन में बेहद असुविधा का सामना करना पड़ता था। यह शहर का अत्यन्त व्यस्ततम मार्ग होने के कारण जाम की समस्या बनी रहती थी। लखनऊ पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में रू0 64 करोड़ 46 लाख 87 हजार की लागत से 908.05 मी0 बने इस 02 लेन फ्लाईओवर से राजाजीपूरम हैदरगंज, चौक, नक्खास, ऐशबाग, नाका–हिन्डोला, मवईया, चारबाग, आलमबाग, आर0डी0एस0ओ0, आलमनगर, टूड़ियागंज, राजेन्द्र नगर सहित आस–पास के लगभग 15 से 20 लाख की आबादी के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिली है। पुराना लखनऊ से बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा एवं अन्य पर्यटन स्थल जाने के लिये, यह मुख्य मार्ग है। शहर की घनी आबादी वाले इस मार्ग पर यातायात घनत्व बहुत ज्यादा होने के कारण बुलाकी अड्डा चौराहे पर हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती थी और त्योहारों के दौरान इस मार्ग पर चलना बहुत कठिन हो जाता था। इस उपरिगामी 02 लेन सेतु के निर्माण से शहर की जनता को बुलाकी अड्डे पर लगने वाले जाम से निजात मिल गयी है और आवागमन भी सुलभ व सरल हो गया है। इससे जहां आवागमन में पूर्व में आ रही कठिनाईयों से निजात मिली है, वहीं लोगों को अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचने में समय भी बर्बाद नहीं हो रहा है। सच मायने में प्रदेश सरकार की यह परियोजना क्षेत्रीय लोगों के लिये एक वरदान साबित हो रही है।

राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ में परमजीत सिंह बने ब्लॉक अध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज, राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ की

एक बैठक मंगलवार को डुमरियागंज के गुरु नानक अकैडमी मे आयोजित की गई। जहां सर्वसम्मति से परमजीत सिंह को डुमरियागंज का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष बलराम कृष्ण यादव ने 16 अगस्त से माध्यमिक स्कूलों खोलने के संबंध में मुख्यमंत्री के द्वारा दिए गए आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था के अभाव में उच्च शिक्षा की कल्पना भी नहीं की जा सकती हैद्य अतः उत्तर प्रदेश शासन से अपील की गई की प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को भी 16 अगस्त से खोलने के संबंध में शीघ्र ही शासनादेश जारी की जाए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला महासचिव विजय पांडे ने कहा कि विगत 18 महीनों से विद्यालय बंद होने के कारण आज प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यालय संचालकों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो चुका है, यदि शीघ्र ही विद्यालय खोलने के संबंध में निर्देश नहीं जा रही होती तो निजी विद्यालय प्रबंधकों के परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच जाएंगे। बैठक में जिला अध्यक्ष बलराम कृष्ण यादव जिला महासचिव विजय पांडे ब्लॉक अध्यक्ष डुमरियागंज परमजीत सिंह, उपाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता, बढ़नी ब्लॉक अध्यक्ष रामसूरत यादव अविनाश त्रिपाठी अखिलेश मौर्या रामदयाल मोरिया आदि प्रबंधकों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष बनी चंद्रप्रभा भाटिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी बजाज ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को मनोनीत कर सभी को हार्दिक बधाई एंव शुभकामनाएं दी और राज्यों में कार्यकारिणी गठन करने में सहयोग करने के लिए अधिकृत किया राष्ट्रीय मानव अधिकार सेवा ट्रस्ट के संविधान के रूप एक पवित्र कार्य के लिए हम सभी उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं यह जानकारी प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से राष्ट्रीय महासचिव राधेश्याम कमलापुरी ने दी है। जिसमें राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष चंद्रप्रभा भाटिया कोलकाता, मीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार परिहार दिल्ली, प्रदेश अध्यक्ष सुशील चंद्र पश्चिम बंगाल, महिला प्रदेश अध्यक्ष भारती जैनानी पश्चिम बंगाल, महिला प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुता असम, प्रदेश अध्यक्ष कैप्टन बलराम गोस्वामी गोवा,अध्यक्ष कानूनी सलाहकार बोर्ड हाईकोर्ट, सीमा घोष पश्चिम बंगाल, प्रदेश उपाध्यक्ष डा.कल्याण हंसदा पश्चिम बंगाल, नगर अध्यक्ष राजीव खत्री 24–परगना नोट कोलकाता, नगर अध्यक्ष संभू नाथ रॉय 24–परगना साउथ कोलकाता आदि लोगों को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

भूगर्भ जल संरक्षण हेतु प्रदेश सरकार के सराहनीय कदम:योगी आदित्यनाथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रदेश सरकार के भूगर्भ जल विभाग द्वारा प्रदेश में भूजल के नियोजित विकास एवं प्रबन्धन हेतु वर्षा जल संचयन, भूजल सम्पादन की उपलब्धता व गुणवत्ता का आकलन तथा भूजल से सम्बन्धित समस्याओं के अध्ययन एवं अनुसंधानात्मक सर्वेक्षण एवं विश्लेषण का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की भूजल सम्पदा का सर्वेक्षण, आकलन, प्रबन्धन व नियोजन तथा उससे जुड़ी समस्याओं का वैज्ञानिक अध्ययन, भूगर्भ जल दोहन पर नियंत्रण, भूजल संरक्षण, संचयन तथा रिचार्ज योजनाओं का तकनीकी समन्वय व अनुश्रवण करते हुए जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में भूजल गुणवत्ता की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों का सीमांकन कराया जा रहा है। प्रदेश में कई स्थानों पर भूजल की गुणवत्ता प्रभावितध्दूषित होने के प्रकरण संज्ञान में आए हैं। इस हेतु भूगर्भ जल विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय विष विज्ञान संस्थान, लखनऊ के साथ एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया है। इससे हिण्डन बेसिन एवं घाघरा बेसिन में भूजल नमूनों के भूजल गुणवत्ता का समग्र आंकलन किया जा सकेगा। आंकलन की संस्तुतियों के आधार पर विभिन्न कार्यदायी विभाग पेयजल एवं कृषि उपयोग हेतु सुरक्षित जलापूर्ति के क्षेत्रों को चयनित कर सकेंगे। नवीनतम भूजल संसाधन आंकलन के लिए विभाग ने वर्ष 2017 के आंकड़ों के आधार पर नवीनतम भूजल संसाधन आंकलन किया है, जिससे कि संकटग्रस्त भूजल क्षेत्रों की अद्यतन स्थिति पता चल सके। भूजल संसाधन के वर्ष 2017 के आंकड़ों पर आध ारित आंकलन के अनुसार वर्तमान में प्रदेश के 82 विकासखण्ड अतिदोहित, 47 विकासखण्ड क्रिटिकल एवं 151 विकासखण्ड सेमीक्रिटिकल श्रेणी में वर्गीकृत किए गये हैं, तद्नुसार इन क्षेत्रों को अधिसूचित किया गया है। भूजल स्तर की रियल–टाइम मानीटरिंग हेतु भूजल स्तर मापन के क्षेत्र में विभागीय पीजोमीटर को डिजिटल वाटर लेवल रिकार्डर से युक्त करने का निर्णय लिया गया है। इन डिजिटल वाटर लेवल रिकार्डर से टेलीमेट्री के माध्यम से प्रत्येक 12 घण्टे के अन्तराल पर रियल–टाइम भूजल स्तर प्राप्त किए जा रहे हैं जिससे भूजल संसाधन आंकलन को और अधिक प्रमाणित किया जा सकेगा। प्रदेश के विभिन्न एक्यूफर में भूजल स्तर का अध्ययन किये जाने हेतु कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में गत वर्षों तक केवल उथले ससवूद्ध एक्यूफर के भूजल स्तर का ही अध्ययन किया जाता था। भूजल दोहन बढ़ने के साथ–साथ गहरे एक्यूफर से भी पानी की निकासी की जा रही है। इस हेतु विभाग ने प्रदेश के संकटग्रस्त विकास खण्डों में मल्टीपल मानीटरिंग नेटवर्क का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक स्थल पर विभिन्न गहराईयों पर 03 उच्च क्षमता के भूजल स्तर मानीटरिंग वेल का निर्माण किया जा रहा है। ये मानीटरिंग वेल डिजिटल वाटर लेवल रिकार्डर से भी युक्त होंगे, जिससे कि एक साथ तीनों एक्यूफर के रियल–टाइम भूजल स्तर का अनुश्रवण किया जा सकेगा।

तीन नाबालिक नेपाली लड़कों को मानव तस्कर के चंगुल से छुड़ाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सशस्त्र सीमा बल 43वी वाहिनी की सीमा चौकी अलीगढ़वा के जवानों, एवं मानव सेवा संस्थान के कर्मियों ने सोमवार रात को मानव तस्करी होने से तीन नाबालिक नेपाली लड़कों को मानव तस्कर के चंगुल से बचाने में सफलता पायी है। एस एस बी सीमा चौकी अलिगढ़वा प्रभारी, एंटी ह्यूमन ट्रफिकिंग एस एस बी व मानव सेवा संस्थान सेवा के द्वारा प्राथमिक पूछ–ताछ से पता चला की राघवेन्द्र तेली निवासी नेपाल नाबालिग नेपाली तीन लड़को को नौकरी व आकर्षक जीवल शैली का झाँसा देकर नेपाल से मुम्बई शहर ले कर जाने वाला था। जाँच पड़ताल एवं कागजी कार्यवाही के बाद पीड़ित नाबालिक तीनों लड़कों के साथ पकड़े गए आरोपी को मानव सेवा संस्थान भारतीय व नेपाल एपीफ की उपस्थिति में नेपाल पुलिस चौकी चाकर चौड़ा कपिलवस्तु नेपाल को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द कर दिया गया। बच्चों को बचाने में मुख्य रूप से निरीक्षक शाम सिंह, सहायक उप निरीक्षक कुलवंत सिंह, मुख्य आरक्षी सूर्या मणि यादव, निकुंजा कुमार सिंह, आरक्षी अमित कुमार, शुभंकर डे, अखिलेश दुबे एवं मानव सेवा संस्थान के केंद्र प्रभारी जय प्रकाश गुप्ता शामिल रहे। 43वाहिनी के कार्यवाहक–कमांडेंट अमित सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में मानव तस्करी के मामलों पर सशस्त्र सीमा बल के द्वारा पैनी नजर रखी जा रही है जिससे कि किसी भी गरीब परिवारों के बच्चों और लड़कियों को मानव तस्करी में संलिप्त व्यक्ति, नौकरी, शादी व प्यार का झांसा दे कर तथा बहला फुसला कर नेपाल से भारत या भारत से नेपाल तस्करी न कर पाए और उनका शोषण न हो सकें ।

कोविड टीकाकरण महा अभियान में लगे 4 हजार टीके

भनवापुर ब्लाक क्षेत्र में बनाए गये 23 बूथ, वैक्सीन की कमी बरकरार

सच्चिदानन्द मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर। मंगलवार को वैश्विक महामारी कोविड 19 टीकाकरण का महा अभियान चालाया गया जिसके तहत ब्लाक क्षेत्र में तेइस

बूथों पर चार हजार लोगो ने टीका लगवाया। भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के पीएचसी भनवापुर के साथ बिजवार बढ़ई, बिजौरा, तरहर, जुड़वनियां, चंदनजोत, कमसार, सोहना, बिस्कोहर, डिवलीडीहा मिश्र आदि सहित कुल तेइस बूथ बनाए गये थे जहां सुबह से ही लोंगो की लंबी लाइन देखने को मिली। भनवापुर पीएचसी पर प्रियंका पांण्डेय, सरिता, वर्षा सागर, शीला, आशा आदि ने टीकाकरण की कमान संभाल रखी थी तो वही बिजवार बढ़ई मे संध्या श्रीवास्तव, नरेन्द्र मीणा, पवन गुप्ता, सौरभ मिश्रा, आशूतोष मिश्रा आदि के मौजूदगी मे टीकाकरण किया गया। अधीक्षक डॉ शैलेन्द्र मणि ओझा नें कहा कि ब्लाक के लिए प्राप्त वैक्शीन की चार हजार डोज तीन बजे तक लग चुका था। बाकी लोग वैक्शीन की कमी के कारण वापस हो गये। कल वैक्शीन मिलने के बाद उसी हिसाब से गांवो में शिविर लगाया जाएगा तथा कम डोज मिलने पर केवल पीएचसी पर ही टीकाकरण किया जाएगा।

समस्त विकास खण्डों में हुआ कोविड–19 टीकाकरण महाअभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कोविड–19 टीकाकरण महाअभियान के अन्तर्गत

आज जनपद के समस्त विकास खण्डों में चिन्हित टीकाकरण केन्द्रो पर टीका लगाया गया। जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा हेल्थ एण्ड वेयरनेस सेन्टर, उसका बाजार तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जोगिया में बने टीकाकरण केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी दीपक मीणा ने आम जनमानस को बताया कि आप लोग कोरोना से बचाव हेतु टीका अवश्य लगवाये। यदि किसी का टीका आज नही लग पाता है तो टीकाकरण क्रमशः चलता रहेगा। जिलाधिकारी ने ए0एन0एम0 को निर्देश दिया कि टीका लगने के बाद उन्हे आवश्यक दवाये भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि 18 वर्ष से ऊपर की आयु वाले कोविड का टीका लगवाये। निरीक्षण के दौरान उपरोक्त के अतिरिक्त डा0 अनार सिंह धाकड़, तथा अन्य संबधित उपस्थित थे।

मांगे पूरी नहीं हुई तो लेखपाल करेंगे कार्य बहिष्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। उ0प्र0लेखपाल तहसील इकाई नौगढ़ द्वारा पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उपजिलाधिकारी को दिया।मांगे पूरी न होने पर कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी गई।लेखपाल संघ तहसील इकाई के अध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव एवं मन्त्री देवानन्द द्वारा मांग पत्र में मृतक लेखपाल दुर्गेश अस्थाना के पत्नी को नौकरी दिए जाने,जीपीएस पासबुक अद्यावधिक किये जाने,तहसील अन्दर स्थानांतरण न करने,वरासत को कम्प्यूटर में फीड करने आदि शामिल है।उक्त माँग 5 अगस्त तक पूरा नही हुआ तो 6 अगस्त से तहसील के लेखपाल कार्य बहिष्कार करेंगे।

सड़क की हालत देख लोगों में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। लोटन से सोहास होते हुए जिला

मुख्यालय तक पिचमार्ग की दशा अत्यंत दयनीय होने के कारण चलना मुश्किल हो गया है। हालत यह है कि वाहन तो दूर पैदल चलना मुश्किल हो गया है। सड़क निर्माण को लेकर समाजसेवी अनुराग कसौधन के अगुवाई में सदर विधायक श्यामधनी राही को पत्र देकर कहा गया है। कि लोटन से सिद्धार्थनगर तक जाने वाली सड़क मार्ग में जगह–जगह टूटकर छोटे बड़े गड्ढे हो गए है। जिससे लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क का चौड़ीकरण व मरम्मत नहीं होने से आये दिन दुर्घटनाओं लोग शिकार हो रहे है। यदि एक सप्ताह में कार्य शुरू नहीं हुआ तो धरना प्रदर्शन होगा। मांग पत्र पर अखिलेश शर्मा, अलीरजा, विकास जायसवाल, रामसागर, राजन कसौधन,सुरेश जायसवाल, राजू यादव, घनश्याम कसौधन, रजनीश वर्मा, रविंद विश्वकर्मा,सुशील विश्वकर्मा, दीपक लोधी, सागर विश्वकर्मा, अभय लोधी, अलीरजा सिद्धकी, युवराज सिंह, रवि पाठक, हर्षित त्रिपाठी आदि समस्या को अवगत कराया।

दयानंद विद्यालय में 4 अगस्त को अखंड भारत विचार गोष्ठी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढनी/सिद्धार्थनगर। सीमाई व महत्वपूर्ण कस्बा बढनी में आगामी 04 अगस्त को अखंड भारत विचार गोष्ठी का आयोजन एक सामाजिक संस्था द्वारा किया गया है। उक्त गोष्ठी में सीमाई क्षेत्र के प्रबुद्ध व प्रतिष्ठितजनों की सहभागिता होगी। राजेन्द्र सिंह सेवा संस्थान, सिद्धार्थनगर के बैनर तले व सामाजिक अभियंता विकास सिंह, डा.राजन उपाध्याय आदि के समन्वय से आयोजित अखंड भारत विचार–गोष्ठी के बावत जानकारी देते हुए पत्रकार उदय श्रीवास्तव (राजन) व शम्भूनाथ तिवारी ने बताया कि उक्त विचार गोष्ठी आगामी 4 अगस्त को स्थानीय दयानंद व आर्यकन्या विद्यालय के प्रांगण में अपरान्ह 2 बजे से निर्धारित किया गया है। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षाविद राजेश चंद्र शर्मा (चार्टेड अकॉउंटेंट) होंगे,जो काश्मीर से कन्याकुमारी तक के देश की एकता, अखंडता व समग्र रूप में सशक्तिकरण पर विचार रखेंगे। गोष्ठी में सोशल एक्टिविस्ट, मीडियाकर्मी, शिक्षकों के अलावे जन प्रतिनिधिगण व प्रशासनिक अफसर भी सहभागी होंगे।पड़ोसी नेपाल के भी कुछ अतिथियों के आने की संभावना है।

सम्पादकीय

स्टूडेंट्स की जगी रुचि

भारत आकर पढ़ाई करने वाले कुल विदेशी स्टूडेंट्स की संख्या उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 2019–20 में 49,348 थी, जो 2018–19 के 47,427 से कुछ ही ज्यादा थी। इस साल उसमें कितनी बढ़ोतरी होती है यह देखना पड़ेगा, लेकिन जो भी बढ़ोतरी हो इसे दो लाख स्टूडेंट तक पहुंचाने ...

विदेशी स्टूडेंट्स को भारत आकर पढ़ाई करने को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई योजना एसआईआई (स्टडी इन इंडिया) में इस साल बढ़ी हुई भागीदारी उत्साहवर्धक है। चार साल पहले यानी 2018–19 में शुरू की गई इस योजना में विदेशी स्टूडेंट्स को भारत में रहकर शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्कॉलरशिप देने का प्रावधान है। आंकड़े बताते हैं कि जहां पिछले साल इसके लिए 20659 आवेदन आए थे, वहीं इस साल 50,739 आवेदन आए। यानी करीब 146 फीसदी की बढ़ोतरी। यही नहीं आवेदन करने के बाद ऑनलाइन टेस्ट में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स में भी इस बार पिछले साल के मुताबिक 23.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। योजना का नाम इस बार बदलकर प्रगति (परफॉरमेंस रेटिंग ऑफ ऐप्लिकेंट्स थ्रू ग्लोबल ऐप्टिट्यूड टेस्ट फॉर इंडियन इंस्टिट्यूट्स) जरूर किया गया है, लेकिन इसकी इस कामयाबी का श्रेय नए नामकरण को नहीं दिया जा सकता। इसके पीछे उन खास बदलावों की भूमिका है, जो विदेशी स्टूडेंट्स की जरूरत और उनकी मानसिकता को समझते हुए इस योजना में किए गए हैं। पहले इस योजना में उन्हीं संस्थानों को शामिल किया गया था, जिन्हें एनएएसी (नैशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) से 3.26 ग्रेड और एनआईआरएफ की 100 रैंकिंग हासिल हो। यह ऐकडेमिक रैंकिंग है, लेकिन विदेशों से आने वाले स्टूडेंट्स की इकलौती चिंता रैंकिंग की नहीं होती। उन्हें हॉस्टल, ट्रांसपोर्ट, सुरक्षा आदि की सहूलियतें भी देखनी होती हैं। इसलिए इस बार इस योजना में रैंकिंग के साथ–साथ स्टूडेंट्स की पसंद को भी शामिल किया गया और नतीजा सामने है। यह बताता है कि किसी भी योजना की कामयाबी के लिए उन लोगों की स्थिति, सोच और जरूरत को ध्यान में रखा जाना सबसे जरूरी होता है, जिनके लिए वह योजना लाई गई हो। बहरहाल, इस खास योजना की कामयाबी और उसमें निहित संदेश की अहमियत स्वीकार करते हुए भी यह मानना पड़ेगा कि भारत को विदेशी स्टूडेंट्स के लिए हायर एजुकेशन हब बनाने का हमारा लक्ष्य अभी बहुत दूर है। भारत आकर पढ़ाई करने वाले कुल विदेशी स्टूडेंट्स की संख्या उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 2019–20 में 49,348 थी, जो 2018–19 के 47,427 से कुछ ही ज्यादा थी। इस साल उसमें कितनी बढ़ोतरी होती है यह देखना पड़ेगा, लेकिन जो भी बढ़ोतरी हो इसे दो लाख स्टूडेंट तक पहुंचाने का लक्ष्य अभी काफी दूर है। हालांकि 168 देशों के स्टूडेंट्स यहां पढने आते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा हिस्सा (करीब 45 फीसदी) अब भी पड़ोसी देशों– नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और भूटान– से आने वाले स्टूडेंट्स का ही है। जाहिर है भारत को विदेशी स्टूडेंट्स का पसंदीदा डेस्टिनेशन बनाने के लिए के लिए स्कॉलरशिप स्कीम ही काफी नहीं है। सेशन और सिलेबस से लेकर फैकल्टी और इन्फ्रास्ट्रक्चर तक कई स्तरों पर काम करना पड़ेगा। अच्छी बात यह है कि नैशनल एजुकेशन पॉलिसी के जरिए इस दिशा में कुछ अहम सुधार प्रस्तावित किए गए हैं लेकिन उन पर अमल कैसा और कितना हो पाता है यह देखने के लिए इंतजार करना होगा।

बेलगाम तालिबान

भारत यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने बुधवार को अफगानिस्तान पर काबिज होते जा रहे तालिबान को कड़ी हिदायतें दीं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान पर तालिबान का बलपूर्वक कब्जा उस देश के लिए बर्बादी का सबब बन सकता है और खुद तालिबान भी ऐसा करके कुछ खास हासिल नहीं कर पाएगा। अमेरिका की ओर से यह सलाह ऐसे समय आई है, जबतालिबान लड़ाके अफगानिस्तान के अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने के अभियान में लगे हुए हैं और आसपास के ज्यादातर प्रभावशाली देश उन्हें रोकने का इंतजाम करने के बजाय उनसे हाथ मिलाने की तरकीबें खोज रहे हैं।

ब्लिंकेन ने नई दिल्ली में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि अमेरिका भले अफगानिस्तान से अपनी फौजें हटा रहा है, लेकिन वह अपनी नजरें वहां से नहीं हटाएगा। अमेरिका का यह दावा खोखला है। सच तो यह है कि 9ध्11 आतंकवादी हमलों के बाद उसने अफगानिस्तान में अल कायदा और उसके आतंकवादियों को पनाह देने वाले तालिबान के खिलाफ जो लड़ाई शुरू की थी, उसमें आखिरकार उसे हथियार डालने का फैसला करना पड़ा। बेशक, दो दशक लंबी चली इस लड़ाई में उसने अल कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को मारने के साथ उसके आतंकवादी नेटवर्क को कमजोर करने में सफलता पाई। लेकिन न तो वह अल कायदा को खत्म कर पाया और ना ही तालिबान को कमजोर।

संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अफगानिस्तान के कई सूबों में अल कायदा का नेटवर्क मौजूद है। तालिबान पहले की तरह इन आतंकवादियों के संरक्षक बने हुए हैं। ऐसे संगीन हालात के बीच अमेरिका ने अफगानिस्तान से सेना बुलानी शुरू की तो तालिबान ने देश में अधिक से अधिक हिस्से पर कब्जे की मुहिम और तेज कर दी। आज अगर इस पूरे क्षेत्र में तालिबान के कारण अस्थिरता की स्थिति बन रही है तो उसके लिए अमेरिका ही दोषी है। इतना ही नहीं, उसके इस फैसले के कारण अफगानिस्तान में चीन का दखल बढने की आशंका भी पैदा हो गई है। ब्लिंकेन जब भारत से तालिबान को चेतावनी दे रहे थे, तभी मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की अगुआई में चीन गया तालिबान का एक डेलीगेशन वहां के विदेश मंत्री से बातचीत कर रहा था।

जहां चीन ने तालिबान को अफगानिस्तान की एक अहम सैनिक और राजनीतिक ताकत करार दिया, वहीं तालिबान ने आश्वस्त किया कि वह अफगानिस्तान की भूमि का चीन के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देगा। पाकिस्तान और तालिबान के रिश्ते भी किसी से छिपे नहीं हैं। इस बीच काबुल में अफगान सरकार की बेबसी बढ़ती जा रही है। अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी ने एक बार फिर वैश्विक समुदाय को आगाह किया है कि यह बीसवीं सदी का तालिबान नहीं बल्कि बहुराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क और बहुराष्ट्रीय अपराधी नेटवर्क का एक मिला–जुला रूप है। इसलिए इसे रोकना ही होगा।

असम और मिजोरम के बीच ये तो होना ही था

असम से टूटकर ही उत्तर पूर्व राज्यों का गठन हुआ था। फरवरी, 1987 को मिजोरम भारत का 23वां राज्य बना। 1972 में केंद्र शासित प्रदेश बनने से पहले तक यह असम का ही एक जिला था। जानकार यह भी कहते हैं कि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद को ईमानदारी से सुलझाने की कोशिश नहीं की गई। 1995 के बाद कई दौर की बातचीत हुई, लेकिन उनका नतीजा नहीं निकला। इसे सुलझाने में और देर नहीं ...

लोकनाथ तिवारी

असम और मिजोरम की सीमा पर 26 जुलाई को दोनों राज्यों की पुलिस के बीच जो खूनी संघर्ष हुआ, देश में शायद ही पहले कहीं ऐसा हुआ हो। लेकिन यह झगड़ा अचानक नहीं हुआ। 10 जुलाई को विवादित क्षेत्र में असम पुलिस अतिक्रमण हटाने पहुंची, तब भी उस पर हमला हुआ था। पिछले साल अक्टूबर में भी दो बार दोनों राज्यों की सीमा पर आगजनी और हिंसा हुई थी। तब मिजोरम के दो लोगों को जला दिया गया था।

असम और मिजोरम की सीमा काल्पनिक है, जो नदियों, पहाड़ों, घाटियों और जंगलों के साथ बदलती रहती है। पिछले कुछ सालों में दोनों राज्यों के बीच तनाव ने धार्मिक रंग भी ले लिया है। असम के सीमावर्ती इलाकों में अधिकतर निवासी बंगाली हैं, जिनमें मुस्लिम समुदाय की संख्या अच्छी–खासी है। मिजोरम के लोग कहते हैं कि ये शरणार्थी हैं और उनकी जमीन पर कब्जा जमाना चाहते हैं।

मिजोरम में मुस्लिम आबादी 1991–2001 के बीच 122.54 फीसदी बढ़ी है, लेकिन कुल आबादी के प्रतिशत के रूप में यह काफी कम है। 2001 में राज्य में करीब 10 हजार मुसलमान यानी कुल आबादी के डेढ़ प्रतिशत से कम। इसके बावजूद इस मामले को लेकर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ रहा है। मिजोरम की कुल आबादी 12 लाख है। यहां मिजो जाति का वर्चस्व है, जिसकी जनसंख्या में हिस्सेदारी 74 फीसदी है। मिजो के बाद दूसरी प्रमुख कम्युनिटी चकमा है। कुल आबादी में चकमा 9 फीसदी हैं।

मिजोरम और असम के बीच सीमा विवाद की जड़ें औपनिवेशिक काल से जुड़ी हैं। 1830 तक कछार एक स्वतंत्र राज्य था। 1832 में यहां के राजा की मौत हुई। उसका कोई उत्तराधिकारी नहीं था। उस समय इस राज्य पर ईस्ट इंडिया कंपनी ने कब्जा कर लिया। अंग्रेजों की योजना लुशाई यानी मिजो हिल्स की तलहटी पर चाय बागान लगाने की थी। 1875 में अंग्रेजों ने फिर इनर लाइन रेगुलेशन (आईएलआर) लागू किया ताकि असम में पहाड़ी और आदिवासी इलाकों को अलग किया जा सके। मिजो आदिवासी इससे खुश थे, उन्हें लगा कि अब कोई उनकी जमीन पर अतिक्रमण नहीं कर सकेगा।

ब्रिटिश राज ने 1933 में कछार और मिजो हिल्स के बीच औपचारिक तौर पर सीमारेखा खींच दी। इस प्रक्रिया में मिजो ट्राइब्स को शामिल नहीं किया गया। उन्होंने नई सीमा का विरोध किया और 1875 आईएलआर को फिर से लागू करने की मांग की। 1947 में देश आजाद हुआ और इसके तीन साल बाद असम इसका एक राज्य बना। तब असम में आज के नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम आते थे। नॉर्थ–ईस्टर्न एरिया (रीऑर्गेनाइजेशन) एक्ट 1971 के तहत असम से तीन नए राज्य मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा का गठन किया गया।

मिजो शांति समझौते के तहत 1987 में मिजोरम को अलग राज्य बनाया गया। यह मिजो ट्राइब्स और केंद्र सरकार के बीच हुए करार के तहत था। इसका आधार 1933 का एग्रीमेंट था। 30 जून 1986 को मिजोरम के नेताओं ने मिजो शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें सीमा तय की गई है, लेकिन नियम 1875 को माने या 1933 को? दोनों राज्यों के बीच इस बात ही विवाद है। मिजोरम कहता है कि 1875 के नियमों का पालन किया जाए। असम 1933 की सीमा की बात करता है। मिजोरम और असम के बीच सोमवार को हुए हिंसक संघर्ष के बाद दोनों ने एक–दूसरे पर अवैध अतिक्रमण के आरोप लगाए हैं। मिजोरम का दावा है कि असम ने उसके 509 वर्गमील जमीन पर कब्जा कर रखा है।

असम से टूटकर ही उत्तर पूर्व राज्यों का गठन हुआ था। फरवरी, 1987 को मिजोरम भारत का 23वां राज्य बना। 1972 में केंद्र शासित प्रदेश बनने से पहले तक यह असम का ही एक जिला था। जानकार यह भी कहते हैं कि दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद को ईमानदारी से सुलझाने की कोशिश नहीं की गई। 1995 के बाद कई दौर की बातचीत हुई, लेकिन उनका नतीजा नहीं निकला। इसे सुलझाने में और देर नहीं होनी चाहिए क्योंकि मिजोरम का 700 किलोमीटर क्षेत्र म्यांमार और बांग्लादेश से भी लगता है। इसलिए यह मुद्दा देश की सुरक्षा से भी जुड़ा है, यूं भी म्यांमार में तख्तापलट होने के बाद से मिजोरम में वहां से काफी शरणार्थी आ रहे हैं।

मोदी-शाह से यूं मुकाबला नहीं कर पाएगी कांग्रेस

अगर नेतृत्व में अकेले ऐसा करने की क्षमता नहीं हो तो उसमें इतनी समझ हो कि योग्य और सक्षम व्यक्तियों का चयन कर सामूहिक नेतृत्व विकसित करे। यह नेतृत्व मंडली वैचारिक और सांगठनिक रूप से पुनर्निर्माण करने का संकल्प दिखाए तो थोड़ी उम्मीद बन सकती है। अगर पार्टी एक परिवार से या परिवार के आशीर्वाद से नेतृत्व तलाशने तक सीमित रही तो उसका पुनरुद्धार असंभव है...

अवधेश कुमार

पंजाब से राजस्थान तक कांग्रेस की अंतर्कलह लगातार चर्चा में है। इसे आप सत्ता में हिस्सेदारी की लड़ाई मानिए या कुछ और, पार्टी की दुर्दशा का यह प्रतिबिंब है। कांग्रेस के इतिहास में शायद ही कभी ऐसा हुआ हो, जब इतने लंबे समय तक कोई पूर्णकालिक अध्यक्ष ही न हो। कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अस्वस्थ सोनिया गांधी के हवाले है पार्टी। एक समय कांग्रेस के रणनीतिकार माने जाने वाले ऐसे वरिष्ठ नेताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो पार्टी के भविष्य को लेकर चिंता प्रकट कर चुके हैं। मुखर और स्पष्ट न होते हुए भी इनमें सोनिया गांधी और उनके परिवार को लेकर असंतोष दिखता है। जी–23 कहलाने वाले समूह की संख्या दोगुनी होने की बात कही जा रही है। इनमें से ज्यादातर की चाहत यही है कि नीचे से ऊपर तक लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव हो या अध्यक्ष का निर्वाचन पार्टी संविधान के अनुसार हो।

हार का सिलसिला : मूल प्रश्न यह है कि कांग्रेस के सामने यह नौबत आई क्यों? असल में 2013 से कांग्रेस की पराजय का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह कुछेक अपवादों को छोड़ दें तो कभी थमा ही नहीं। सबसे लंबे समय तक देश का शासन चलाने वाली पार्टी को लगातार दो लोकसभा चुनावों में विपक्ष का नेता पद पाने लायक सीटें भी न मिलें तो हताशा स्वाभाविक है। जिन नेताओं ने पार्टी में परिवर्तन की मांग की या जो असंतोष प्रकट कर रहे हैं, वे सब बिल्कुल शांत होते अगर पार्टी किसी तरह से सत्ता के केंद्र में होती। आज जिन नेताओं को सोनिया गांधी और उनके परिवार के नेतृत्व में कांग्रेस का भविष्य नहीं दिखता, उनमें से ज्यादातर ने 1998 में सीताराम केसरी को अपमानजनक ढंग से पार्टी कार्यालय से निकालकर सोनिया गांधी को पदस्थापित किया था। सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पहला चुनाव 1999 में लड़ा और उसने तब तक के इतिहास में सबसे कम 114 सीटें पाने का रेकॉर्ड बनाया। उस वक्त भी इन नेताओं को समस्या नहीं हुई क्योंकि कांग्रेस की कई राज्यों में सरकारें थीं और जो लोकसभा में नहीं आ सकते थे उन्हें राज्यसभा का प्रसाद मिल गया था। 2004 से 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए शासन के दौरान अगर पूरी सरकार की रीति नीति 10 जनपथ से निर्धारित होती थी तो भी इनमें से किसी ने ऐतराज नहीं किया क्योंकि सभी किसी न किसी रूप में सत्ता का आनंद ले रहे थे। व्यक्तिगत बातचीत में जो नेता आज राहुल गांधी को अयोग्य, अक्षम और अदूरदर्शी बता देते हैं, वे सब उनको मनमोहन सिंह की जगह प्रधानमंत्री बनाने की सिफारिश कर रहे थे। जाहिर है, असंतोष के ये स्वर किसी सकारात्मक दूरगामी सोच से मुखरित नहीं हो रहे। अभी तक कोई ऐसा ठोस सुझाव नहीं आया जिसे देखकर लगे कि वाकई इससे कांग्रेस का भविष्य संवारने में मदद मिल सकती है। नेताओं का एक समूह राहुल गांधी को अलग रखकर शरद पवार के नेतृत्व में यूपीए को फिर से खड़ा करने पर काम कर रहा है। इसमें कांग्रेस का भविष्य संवारने का चिंतन कहां है? कांग्रेस का संकट पुराना है। 1980 के चुनावों से ही वह लगातार परिस्थितियों के कारण सत्ता में वापस आती रही है। अगर जनता पार्टी के नेताओं के बीच फूट नहीं होती और 1977 में गठित सरकार 5 वर्ष चल जाती तो कांग्रेस की वापसी कठिन थी। 1984 में इंदिरा गांधी की निर्मम हत्या से उपजी सहानुभूति लहर में राजीव गांधी सर्वाधिक सीटों का रेकॉर्ड लेकर प्रधानमंत्री बने। मौका मिलते ही 1989 में जनता ने फिर कांग्रेस को खारिज किया। 1991 में राजीव गांधी की मृत्यु के पूर्व और उसके बाद हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की सीटों का अंतर साफ दिखाई देता है। यानी अगर राजीव गांधी की हत्या नहीं होती तो कांग्रेस उस समय 232 सीटें नहीं पाती। 2004 में बीजेपी के विरुद्ध संघ परिवार के ही अनेक संगठन काम कर रहे थे। बीजेपी की पराजय से कांग्रेस के सत्ता में आने का रास्ता प्रशस्त हुआ, लेकिन उसे केवल 145 सीटें मिलीं। 2009 में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में अंदरूनी कलह से ग्रस्त बीजेपी लोगों के आकर्षण का कारण हो ही नहीं सकती थी। बावजूद इसके, कांग्रेस को 206 सीटें मिलीं यानी बहुमत प्राप्त नहीं हुआ। सच यह है कि सक्षम विकल्प के अभाव में ही कांग्रेस को मौका मिलता रहा। नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय क्षितिज पर आते ही विकल्पहीनता की स्थिति समाप्त हो गई और कांग्रेस अपनी स्वाभाविक नियति को प्राप्त हुई। कांग्रेस ने राम मंदिर के कारण हुए सांस्कृतिक–धार्मिक पुनर्जागरण और मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद बदले सामाजिक परिवेश को समझने और उसके अनुरूप वैचारिक एवं सांगठनिक बदलाव करने की कभी कोशिश ही नहीं की। आर्थिक भूमंडलीकरण एवं संचार क्रांति ने जनता की सोच एवं व्यवहार में जिस तरह का आमूल परिवर्तन लाया, जो जन आकांक्षाएं पैदा कीं, उन सबको अभिव्यक्ति देने में कांग्रेस विफल रही। मोदी इन सबके सम्मिलित प्रतीक बनकर उभरे।

सामूहिक नेतृत्व

जाहिर है, आज यदि कांग्रेस को मोदी और अमित शाह की बीजेपी का सामना करते हुए प्रभावी राष्ट्रीय स्थान पाना है तो उसे विचार, व्यवहार और व्यक्तित्व तीनों स्तरों पर परिवर्तन करना होगा। इसमें नेतृत्व की भूमिका सर्वोपरि होगी। अध्यक्ष के रूप में ऐसा व्यक्तित्व चाहिए, जो वर्तमान भारत की बदली हुई मनोदशा और मोदी के कारण पैदा हुई राजनीतिक परिस्थिति को समझे और उसके अनुरूप सभी स्तरों पर संगठन के पुनर्निर्माण का साहस दिखाए। अगर नेतृत्व में अकेले ऐसा करने की क्षमता नहीं हो तो उसमें इतनी समझ हो कि योग्य और सक्षम व्यक्तियों का चयन कर सामूहिक नेतृत्व विकसित करे। यह नेतृत्व मंडली वैचारिक और सांगठनिक रूप से पुनर्निर्माण करने का संकल्प दिखाए तो थोड़ी उम्मीद बन सकती है। अगर पार्टी एक परिवार से या परिवार के आशीर्वाद से नेतृत्व तलाशने तक सीमित रही तो उसका पुनरुद्धार असंभव है।

लापरवाह हुए तो दूसरी लहर में बढ़ गए 6302 कोरोना मरीज

महराजगंज। जिले में कोरोना संक्रमण ने खूब कहर बरपाया है। पहली लहर से सबक न लेने और लापरवाही बरतने के कारण लोगों को इसका खामियाजा दूसरी लहर में भुगतना पड़ा। दूसरी लहर में जहां 6302 मरीज बढ़ गए, वहीं 45 को अपनी जिदगी भी गंवानी पड़ी। लेकिन अब तीसरे लहर की संभावना है। इससे निपटने की तैयारियों में विभाग जुटा है। लेकिन इसके साथ आमजन में भी जागरूकता जरूरी है। यूं तो जिले में पहली लहर में 25 जनवरी 2020 को बुहान से महराजगंज के लक्ष्मीपुर में आए एक संदिग्ध युवक ने हलचल मचा दिया था। हालांकि जांच में वह निगेटिव पाया गया था। लेकिन प्रदेश में कोरोना के बढ़ते दायरा के कारण आखिरकार अप्रैल के प्रथम सप्ताह में छह तब्लीगी जमातियों के साथ कोरोना जिले में पहुंच गया था। लेकिन 25 फरवरी 2021 को जिला कोरोना मुक्त हो गया था। लोग होली की खुशियों और पंचायत चुनाव को लेकर उत्साहित थे, कि प्रदेश से घर आने वाले लोगों के साथ कोरोना फिर गांव–गांव पहुंच गया। 31 मार्च को संक्रमितों की संख्या 6078 थी। लेकिन गौर करने की बात है कि दूसरी लहर कितना खतरनाक था, चार माह में ही 6302 लोग संक्रमित हो गएं। इस प्रकार जिले में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 12380 हो गई है। मृतकों की संख्या पर नजर डालें तो 31 मार्च को इनकी संख्या 91 थी, जो बढ़कर 136 तक पहुंच गई है। मसलन दूसरी लहर में 45 लोगों की मौत हुई है। ब्लैक फंगस के भी संदिग्ध मरीज पाए गए थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एके श्रीवास्तव ने बताया कि तीसरी लहर से निपटने के लिए प्रशासन तैयारी में जुटा है। आक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं। बड़े पैमाने पर टीकाकरण कराया जा रहा है। बच्चों के लिए बेड की अलग से व्यवस्था की गई है। गांव–गांव लोगों को कोविड से बचाव के बारे में जागरूक किया जा रहा है। आमजन को भी खुद सतर्क रहना होगा और भीड़ वाले स्थान पर नहीं जाना चाहिए। मास्क और सैनिटाइजर का प्रयोग करें। अब आक्सीजन के लिए नहीं भटकना पड़ेगाः कोरोना को लेकर एक समय ऐसा भी आया था कि आक्सीजन के लिए त्राहि–त्राहि मची थी और लोग इलाज को भटक रहे थे। हर आंखों में खौफ का मंजर तैर रहा था, लेकिन अब स्थितियां सामान्य हो रही हैं। संक्रमितों की संख्या धीरे–धीरे कम मिल रही है। तीसरी लहर से निपटने के लिए आक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता जिले में हो गई है। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि आक्सीजन के लिए अभी किसी को भटकना नहीं पड़ेगा। कोरोना से बचाव में मददगार हो रहा टीकाः 16 जनवरी को जिले में टीकाकरण का शुभारंभ हो गया था। लेकिन लोग इसे लगवाने में हिचक रहे थे, जिससे कोरोना वायरस के नियंत्रण में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लोग इसकी चपेट में आते गए। लेकिन अब अधिकांश लोग उत्साह के साथ टीका लगवा रहे हैं, जिससे लोगों में कोरोना संक्रमण का बहुत खतरा नहीं रह रहा है। यह टीका कोरोना संक्रमण के फैलने से रोकने में मददगार साबित हो रहा है।

जिले में 6322 लोगों को लगा टीका

देवरिया। जिले में लोग कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए तैयार हैं लेकिन लोगों को टीका नहीं मिल रहा है। केंद्रों पर सुबह लोग टीका लगवाने बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं लेकिन उन्हें निराशा हाथ लग रही है। केंद्रों पर हंगामा व शोर शराब के बाद घर वापस लौट जा रहे हैं। केंद्र पर सीधे रजिस्ट्रेशन नहीं होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। .अधिकांश केंद्रों पर टीका नहीं लग सका। जिले के 58 केंद्रों पर 6322 लोगों को कोरोना रोधी टीका लगाया गया। एक फ्रंटलाइन वर्कर को कोरोनारोधी दूसरी डोज दी गई। जिसमें 7210 लोगों को कोरोनारोधी टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। 18 से 45 वर्ष तक 3304 लोगों को प्रथम डोज व 467 को द्वितीय डोज दी गई। 45 से 60 वर्ष के लोगों में 719 को प्रथम व 891को द्वितीय डोज दी गई। 60 वर्ष से उपर 373 को प्रथम व 567 को द्वितीय डोज दी गई। आरटीपीसीआर जांच के लिए हंगामा मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला चिकित्सालय में दर्जनों की संख्या में लोग आरटीपीसीआर जांच कराने पहुंचे। यहां लोग सुबह नौ बजे से ही लाइन लगा कर खड़े रहे लेकिन जांच शुरू नहीं हुआ। यहां से भीड़ मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य कक्ष पहुंची और वहां हंगामा करने लगी। यहां मौजूद मरीजों की समस्या सुन रहे डा. एचके मिश्र ने इसकी जानकारी प्रधानाचार्य को दी। लोगों ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी कह रहे हैं जांच करने का किट ही नहीं है तो कैसे जांच किया जाएगा। ऐसे में आधे घंटे के अंदर समस्या का समाधान किया गया और जांच शुरू हुई।

सरयू नदी में राज नारायण दास को दी गई जल समाधि

लार रोड/भागलपुर। लार क्षेत्र के कुंडौली गांव के रहने वाले देवरहा बाबा के शिष्य राज नारायण दास उर्फ त्यागीजी का करीब 100 वर्ष की उम्र में .रात निधन हो गया। इसकी सूचना मिलते ही लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन पाने के लिए लोग लालायित दिखे। शव यात्रा हनुमान व शिव मंदिर से शुरू हुई। इसके बाद दुर्गा मंदिर परिसर में लाया गया। इस दौरान लोग राजनारायण दास व देवरहा बाबा के जयकारे लगा रहे थे। शव यात्रा लक्ष्मण चौराहा, लिलही कोठी, मुरारबारी, इशारू होते हुए भागलपुर के कालीचरण घाट पहुंचा। जहां मंत्रोच्चार के बीच पावन सरयू नदी में जल समाधि दी गई। शव यात्रा में विधायक काली प्रसाद, ग्राम प्रधान अतुल सिंह, अर्जुन सिंह, डा.अमरीश चन्द कौशिक, जेपी यादव, सपा नेता श्याम बहादुर सिंह, यशवंत सिंह डब्लू, अनूप सिंह, राणा प्रताप सिंह, विनय सिंह जुगनू, सूरा सिंह, आदर्श सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

देवरहा बाबा के शिष्य थे राज नारायण दास

लार। क्षेत्र के कुंडौली गांव के रहने वाले राज नारायण दास 40 वर्ष की अवस्था में देवरहा बाबा के शिष्य बन गए थे। वह खुशी कुशवाहा व बुधिया देवी के दो संतान में दूसरे नंबर के थे। उनका नाम राजबली कुशवाहा था। बचपन से ही धार्मिक विचारों के थे। शुरू से पूजा पाठ में मन लगने के कारण जब भी इनके घर वालों ने शादी की बात करते वह घर से भाग जाते थे। इसी दौरान वह देवरहा बाबा के सानिध्य में आए। देवरहा बाबा के कहने पर छह माह तक पैदल भारत भ्रमण किया। उसके बाद देवरहा बाबा ने उन्हें अपना शिष्य बना लिया। देवरहा बाबा से दीक्षा लेने के बाद उनका नाम राजनारायण दास पड़ा। दीक्षा लेने के बाद देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों का दर्शन करते हुए जगह जगह यज्ञ का आयोजन किया। मेहीपुरवा बहराइच में कुंडौली नाम का गांव बसाया। मंदिर व कालेज भी स्थापित किए। उनकी सादगी देखकर क्षेत्र के लोग उन्हें त्यागीजी के नाम से बुलाते थे। उनका देहावसान से कुंडौली सहित क्षेत्र के अन्य गांवों के लोग शोकाकुल हैं।

परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

देवरिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड प्रयागराज की तरफ से संचालित टीजीटी व पीजीटी की परीक्षा सात व आठ अगस्त को होगी। डीएम आशुतोष निरंजन ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों, पर्यवेक्षकों व मजिस्ट्रेटों के साथ विकास भवन के गांधी सभागार में बैठक की। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश नहीं करेगा। चयन बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप परीक्षा कराई जाएगी। गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षक व स्टेटिक मजिस्ट्रेट नामित किए गए हैं।एक दिन पूर्व ही परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर संचालन से संबंधित जानकारी प्राप्त करेंगे। कोविड–19 को देखते हुए परीक्षा कक्ष में अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था दूर दूर करनी होगी। कक्ष निरीक्षकों को पहचानपत्र भी निर्गत किए जाएंगे।परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट के अतिरिक्त किसी के पास मोबाइल नहीं रहेगा। केंद्र पर किसी भी इलेक्ट्रानिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित रहेगा। कक्ष निरीक्षकों की तैनाती परीक्षा कक्ष में स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तरफ से की जाएगी। प्रश्नपत्र खोलने व परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं को बंद कर की वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी।इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन कुंवर पंकज, एसडीएम सदर सौरभ सिंह, उप जिलाधिकारी रुद्रपुर संजीव कुमार उपाध्याय, डीआईओएस देवेंद्र गुप्ता, बीएसए संतोष राय, एडीआईओएस राम हुजूर, डीएसओ विनय कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

घर में फंदे से लटका मिला नवविवाहिता का शव

महराजगंज। घुघली थाना क्षेत्र के परसा गिदही गांव में .दोपहर नवविवाहिता नीतू गुप्ता का शव उसके ही मकान में छत की कुंडी से लटका मिला। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंचे सदर तहसीलदार के साथ घुघली पुलिस शव को कब्जे में लेकर मौत का कारण जानने में जुटी हुई है। उधर कोठीभार के निवासी भुआल गुप्ता ने बेटी की हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। घटना के वक्त घर पर कोई नहीं था, उसकी सास बगल के मकान में रहती है। पड़ोसियों ने देखकर शोर मचाया तो मामले की सूचना हो सकी। कोठीभार थाना व मूल गांव निवासी भुआल गुप्ता की पुत्री नीतू की शादी परसा गिदही निवासी राजकुमार से बीते 27 मई को ही धूमधाम से हुई थी। बताया जा रहा है कि शादी के बाद राजकुमार और नीतू खुशी–खुशी रह रहे थे। अभी 15 दिनों पूर्व ही अभी राजकुमार रोजी–रोटी के सिलसिले में दिल्ली कमाने गया था। दोपहर में पड़ोसियों ने घर के कमरे में नीतू का शव कुंडी से लटकता हुआ देख पुलिस को सूचना दी। सदर पुलिस उपाधीक्षक अजय सिंह चौहान ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

82 महाविद्यालयों में 64 हजार छात्रों के दाखिला की तैयारी, बढ़ी सरगर्मी

देवरिया । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के अलावा सीबीएसई का इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद उत्तीर्ण होने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या ज्यादा होने के कारण इस बार महाविद्यालयों में दाखिला कराना आसान नहीं होगा। इसको लेकर महाविद्यालय प्रशासन भी पेसोपेश में है। महाविद्यालय में नामांकन कराने की तैयार तो है, लेकिन जिले में महाविद्यालयों की संख्या कम होने के चलते नामांकन को लेकर भी हाय तौबा मचने की संभावना है। जनपद में 82 महाविद्यालय में होना है नामांकनः जनपद में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर से संबद्ध 82 महाविद्यालय हैं।

इस बार जनपद के 19 राजकीय इंटर कालेज, 122 वित्त पोषित, 405 वित्तविहीन विद्यालयों में कक्षा 12 वीं में 66350 छात्र रहे हैं। जिसमें से लगभग 64 हजार छात्र इंटर पास हुए हैं। ऐसे में इनका नामांकन कैसे होगा। यह एक बड़ा सवाल खड़ा होने लगा है। रिजल्ट आने के बाद से ही छात्र नामांकन को लेकर महाविद्यालयों की तरफ दौड़ लगाने लगे हैं। अन्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध महाविद्यालयों पर नजरः डीडीयू के अलावा जनपद में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, राजर्षि टंडन खुला विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी ओपेन विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालय से भी संबद्ध होकर कुछ महाविद्यालय संचालित हैं। छात्रों की नजर इन विश्वविद्यालयों पर भी है। लोगों से नामांकन कराने के लिए वह सलाह भी लेने लगे हैं।

1832 की जांच रिपोर्ट निगेटिव, एक पाजिटिव

देवरिया। जिले में कोरोना संक्रमण समाप्त नहीं हुआ, लेकिन लापरवाही बरकरार है। शारीरिक दूरी पालन करने का मामला हो, चाहे मास्क लगाने का, लोग लापरवाही बरत रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इस बात की चिता सता रही है कि अगर संक्रमण फैला तो यह लापरवाही भारी पड़ सकती है। आई कोरोना जांच रिपोर्ट में 1832 निगेटिव व एक पाजिटिव आई है। कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 20208 है। अभी तक 19980 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना से जिले में अभी तक 218 लोगों की मौत हुई है। सक्रिय केस की संख्या 10 है। होम आइसोलेशन में सात संक्रमित मरीज भर्ती हैं। चौबीस घंटे में 958 लोगों की सैंपलिग की गई। अभी तक कुल 787338 लोगों की सैपलिग कर जांच की जा चुकी है। संक्रमण कम होने के चलते पुलिस व प्रशासन उदासीन बना हुआ है। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि आई कोरोना जांच रिपोर्ट में एक की रिपोर्ट पाजिटिव है। संक्रमण की रफ्तार काबू में है लेकिन सावधानी अति आवश्यक है। इससे बचाव के लिए मात्र मास्क लगाने की आवश्यकता है। उसमें भी लापरवाही समझ से परे है। बिना मास्क लगाए बाजारों में घूम रहे लोगः शहर में भीड़ इस कदर थी कि सिविल लाइन रोड के अलावा बाजार के सभी प्रमुख मार्गों पर लोगों की भीड़ थी। सिविल लाइन रोड में तो वाहन पूरा दिन रेंगते रहे। बस स्टेशन, कचहरी चौराहा, कोआपरेटिव चौराहा आदि स्थानों पर पूरे दिन लोगों को जाम से जूझना पड़ा। भीड़ के बीच अधिकांश बिना मास्क के दिखे। सब्जी में दुकानों पर लगी भीड़ में भी अधिकांश बिना मास्क के ही खरीदारी करते दिखे।

करोड़ों रुपये खर्च के बाद भी दूषित जल पी रहे मुसहर

महराजगंज । निचलौल विकास खंड निचलौल के 22 मुसहर गांव सहित 108 गांवों में स्वच्छ पेयजल के लिए वित्तीय वर्ष 2020–21 में लगभग सात करोड़ की रकम खर्च कर जहां 25 सौ इंडिया मार्का हैंडपंप का रीबोर कराया गया। वहीं 333 इंडिया मार्क हैंडपंप के मरम्मत कराए जाने का भी आंकड़ा है। बावजूद इसके निचलौल ब्लाक में निवास करने वाले मुसहर दूषित जल पीने को मजबूर हैं। जबकि आंकड़ों की बाजीगरी कर विभागीय अधिकारी व कर्मचारी हर वर्ष सरकार को लाखों रुपये की चपत लगा रहे हैं। क्षेत्र के मुसहर बस्तियों में निवास करने वाले हजारों लोगों को इन दिनों स्वच्छ पेयजल की किल्लत से जूझना पड़ रहा है। कहीं खराब हैंडपंप की समस्या है तो कहीं हैंडपंप से गंदे पानी निकलने की शिकायतें है। जिसके चलते मुसहर बस्तियों के लोगों को स्वच्छ पेयजल के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। मुसहर ग्राम गेडहवा निवासी नन्दू, हरिलाल, दयानन्द, श्यामसुंदर ने कहा कि बीते महीने जिम्मदारों द्वारा बस्ती के अंदर लगाए गए अधिकांश हैंडपंप खराब हो चुकी है। पानी की बीमारियों से बचने के लिए लोग मजबूरी में कई किलोमीटर दूर तेरह चार पुल से पानी लाते हैं। सीएचसी अधीक्षक डा. राजेश द्विवेदी ने बताया कि दूषित पानी के सेवन से डायरिया, टायफाइड, पीलिया, दस्त समेत पेट से संबंधित रोग हो जाते हैं। यदि समय रहते उपचार नहीं किया गया तो धीरे–धीरे यह रोग गंभीर हो जाते हैं। बरसात के दिनों में उबला हुआ पानी ही पीना चाहिए। इसके अलावा नलों के आसपास सफाई रखना चाहिए।

जिला पंचायत राज अधिकारी कृष्ण बहादुर वर्मा ने बताया कि जिम्मदारों से मामले की जानकारी लेकर ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए खराब पड़े इंडिया मार्क हैंडपंप का जल्द रीबोर कराया जाएगा। जहां जरूरी होगा वहां नया हैंडपंप भी लगवाया जाएगा। रीबोर करने में कोई भ्रष्टाचार हुआ है तो उनकी जांच कराई जाएगी। यह है मुसहर गांवः विकास खण्ड क्षेत्र में अमड़ा उर्फ झुलनीपुर, बड़हरा चरगहा, बढ़या मुस्तकील, बहुआर कला, बजहा उर्फ अहिरौली, बजही, भेड़ियारी, भोथहा, चंदा, डोमा, गेंड़हवा, कलनही खुर्द, कनमिसवां, करमहिया, रामचंद्रही, रमगढ़वा, शिकारपुर, सोहगीबरवा, कोल्हुआ, बहुआर कला, ढेसो, पैकौली कला मुसहर गांव हैं। इन बस्तियों की जहां कुल आबादी 59355 है। वही पूरे ब्लाक की आबादी 255892 है।

रोटरी ने आधारशिला आश्रम में बुजुर्गों को बांटे कपड़े और खाद्यान्न

प्रयागराज। नैनी स्थित अधारशिला वृद्धाश्रम में रोटरी प्रयागराज की ओर से सोमवार को वरिष्ठ जन नमन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 82 वरिष्ठ लोगों को कपड़े महिलाओं को साड़ी पुरषों को कपड़े खाद्यान तथा बैठने के लिए 20 कुर्सी चार पंखा और दो एग्जॉस्ट पंखे वितरित किये गए। रोटरी के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर मेहता ने विश्व के बारह लाख रोटरी सदस्यों से आह्वान किया है कि सेवा कर लोगों की निन्दगी बदलें। रोटरी प्रयागराज ने रोटरी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया है। रोटरी प्रयागराज के निदेशक प्रो योगेश्वर तिवारी ने बताया कि आश्रम में बीस महिलाओं समेत 82 बुजुर्ग रहते हैं। जिनका कोई नहीं है। प्रयागराज के अध्यक्ष संजीव गोयल सचिव दिलीप गुप्ता घोषित मंडलाध्यक्ष अनिल अग्रवाल पूर्व मंडल अध्यक्ष स्तुति अग्रवाल डा आर एन मिश्रा प्रकाश आजाद तपन अग्रवाल अमिताभ सोनी ने संयुक्त रूप से कहा कि रोटरी प्रयागराज के सदस्य आश्रम में आशीर्वाद लेने आये हैं। आश्रम की रोटरी निरंतर सेवा करता रहेगा। कोषाध्यक्ष अनुभूति ने डा कविता श्रीपत अग्रवाल डा अर्चना सिन्हा अजय सिन्हा दीपक मेहरोत्रा राजीव गुप्ता अजय एवं डा शीला मंधयान ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर विपिन अग्रवाल अमित जायसवाल योगराज नागपाल रवि राज सिंह संजीव अग्रवाल आदि ने आश्रम में फलदार वृक्षों को रोपित किया। डा अवनींद्र अग्रवाल राजेश भार्गव शिव प्रकाश अस्थाना और रवि केसरवानी ने पुरुषों से संवाद किया। उनकी समस्या भी सुनी। कविता अग्रवाल मधु आजाद संगीता सोनी निशा नागपाल नीता गोयल अर्चना गोयल और रेकी विशेषज्ञ ज्योत्स्ना अस्थाना ने महिलाओं के साथ समय व्यतीत किया। रोटरी के निदेशक प्रो योगेश्वर तिवारी ने बताया कि आश्रम में भविष्य में निःशुल्क चिक्तिसा शिविर लगाकर नेत्र रक्तचाप और मधुमेह की जांच की जाएगी।

पीएम गरीब कल्याण योजना के निःशुल्क खाद्यान्न वितरण तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सोमवार को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अन्तर्गत निःशुल्क खाद्यान्न वितरण की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पर्यवेक्षणीय अधिकारी सेक्टर आफिसर एवं नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गयी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अन्तर्गत 05 अगस्त को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण होना है। योजना के तहत आच्छादित लाभार्थियों को पांच किलो प्रति व्यक्ति खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। जिलाधिकारी ने इसे सफल बनाने के लिए पर्यवेक्षणीय अधिकारी सेक्टर आफिसर एवं नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है। उन्होंने संभागीय खाद्य नियंत्रक एवं जिला खाद्यय वितरण अधिकारी को निर्देशित किया है कि खाद्यान्न का उठान समय से करके उचित दर की दुकानों को आवंटन के अनुरूप खाद्यान्न पांच अगस्त से पूर्व उपलब्ध करा दिया जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक उचित दर दुकान पर कम से कम सौ लाभार्थियों को विधिवत लिखित रूप में बुलाएंगे। शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये बैग में खाद्यान्न लाभार्थियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा वितरित किया जायेगा। इसके लिए सम्बंधित अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ग्राम स्तरीय कर्मचारियों आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की भी सहायता ली जायेगी। खाद्यान्न वितरण स्थानों पर कोविड प्रोटोकॉल पालन कराते हुए प्रधानमंत्री के सम्बोधान को सुनने के लिए टीबी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। टेलीविजन सेट की स्थापना ऐसे स्थान पर की जाएगी जो सुरक्षित हो तथा उपस्थित जन मानस को सुगमता से दिखायी दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से सम्बंधित खाद्यान्न का उठान वाले वाहनों को सामान्य प्रतिबंधों से मुक्त रखा जाये। जिलाधिकारी ने सभी उचित दर दुकानों एवं आयोजन स्थलों पर साफ सफाई का विशेष ध्यान देने को कहा है।

सीबीएसई बोर्ड द्वारा कक्षा 10 वीं का हुआ परिणाम घोषित

पी एच इंटर नेशनल स्कूल का उत्तीर्णपरिणाम रहा शत प्रतिशत

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। तहसील क्षेत्र के उरूवा ब्लॉक स्थित पी एच इंटरनेशनल स्कूल, कुसलदेईया, के नूर सबा ने 84रू अंक प्राप्त करके पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर 71रू के साथ खुसी गोस्वामी रही। स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा परीक्षा में बैठने वाले सभी बच्चे पास हुए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक मनोज उमर जी ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य जान पिटर्सन और राधिका मैडम ने सभी बच्चों को मुबारक बाद दी और हौसला बढ़ाया। अभिभावकों ने भी स्कूल के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षको में अंजू गुप्ता, राधिका सिंह संजय कुमार, सत्यानंद गौड़, विकास वर्मा ,सोनम गोस्वामी, फूलचंद यादव और सत्येंद्र गुप्ता उपस्थित रहे।

सांसारिक दुर्गुणों से मुक्ति ही मोक्ष का द्वार खोलती है

देवकली (कुड़वाआम) में पृथ्वीनाथ शिव मन्दिर में चल रही रामकथा में राम का हुआ जन्म

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह यह पांच व्यक्ति के व्यक्तित्व के शत्रु हैं यह व्यक्ति के स्वाभाविक गुण नहीं है यह सभी मनुष्यों के पतन के कारण है। इनके प्रभाव से सज्जन भी अपना विवेक खो देता है और गलत व्यवहार करने लगता है विवेक खो देने से मनुष्य पशुवत आचरण करने लगता है। उक्त बातें गोला विकास खंड के देवकली (कुड़वाआम) में स्थित पृथ्वीनाथ शिवमन्दिर परिसर में चल रही रामकथा श्रवण मास के सोमवार को चौथे दिन अयोध्या से पधारे मानस मर्मज्ञ आचार्य विनोद जी महाराज ने व्यास पीठ से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए कही। आगे उन्होंने भगवान राम व उनके भाइयों भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न के जन्म का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि काफी हताशा के बाद और साधु संतो के परामर्श पर अयोध्या के राजा दशरथ ने पुत्रेष्ठी यज्ञ किया। फलस्वरूप तीनों रानियों कौशल्या, सुमित्रा एवं कैकेयी से चार पुत्र पैदा हुए। राम जन्म के बाद पूरी अयोध्या हर्षोल्लास में डूब गई। बधाइयों का तांता लग गया। महिलाएं सुमुधुर कंठ से सोहर गीत गाने लगी। जब विनोद जी महाराज ने संगीतमय भए प्रगट कृपाला, दिन दायाला कौशल्या हितकारी। हर्षित महतारी, मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी की चौपाई गाने लगे तो श्रद्धालु झमने लगे। इसके पूर्व कथा का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत सदस्य शिव चन्द यादव ने व्यास पीठ की आरती करके की। अंत में आयोजक श्याम मुरारी यादव ने सभी श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अस्सी संगम दुबे, ब्रहमानंद दुबे, रविन्द्र तिवारी, इन्द्र जीत यादव, धरणीधर दुबे, राम नयन मिश्र, उधम सिंह, शिवाकांत दुबे, शिव शंकर प्रजापति, प्रेम सिंह, अरविंद दुबे, भागीरथी यादव, देवेन्द्र दुबे, मोहन दुबे, झिनकू यादव, दिलीप यादव, कमलाकर मौर्य, रामाकांत दुबे, रोहित मिश्र, अनिल यादव, जनार्दन यादव, प्रशांत यादव, विक्रम यादव, अजय जायसवाल, विपिन मिश्र, अमित दुबे, रामसकल सिंह, आदि श्रद्धालु उपस्थिति रहे।

सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रतिभाओं की पौधशाला: सुजाता आनंद

टॉप टेन सूची के मेधावीओ ने सफलता का श्रेय प्रिंसिपल व शिक्षकों को दीया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है कुछ ऐसे ही प्रतिभाओं के धनी सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थी हैं जिन्होंने सीबीएससी बोर्ड 2021 के हाई स्कूल परीक्षा के टॉप टेन सूची में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी दबदबा कायम रखा है पायोनियर पब्लिक स्कूल के अमित कुमार गुप्ता 98 पॉइंट 2 प्रतिशत कीर्ति सिंह 96 पॉइंट 8: अंक लाकर अव्वल रहे हैं तो सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा मानसी रावत 96 पॉइंट 6 प्रतिशत बुशरा अली 96 पॉइंट 4 प्रतिशत प्राची पांडे आलोक यादव 96 पॉइंट 2: अंक लाकर टॉप टेन सूची में हावी रहे हैं इसी क्रम में सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के ही अदिति सिंह अनन्या सिंह आदित्य सिंह 96: अनन्या त्रिवेदी उपांशु श्रीवास्तव आस्था प्रजापति दीक्षा वर्मा अनमोल गुप्ता वैभव सिंह ने 95 पॉइंट 8 प्रतिशत अंक लाकर टॉप टेन सूची में दबदबा कायम रखा है टॉप टेन सूची में सातवें स्थान पर पायनियर पब्लिक स्कूल के छात्र अर्पित त्रिपाठी 95 पॉइंट 6 प्रतिशत एवं जवाहर नवोदय विद्यालय गोकुलपुर के छात्र जयंत तिवारी सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के अफजल मोहम्मद खान कृष्णा आदित्य पटेल शेखर रमन मिश्रा 95 पॉइंट 4 प्रतिशत अंक लाकर टॉप टेन सूची में शामिल रहे हैं गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के हाईस्कूल मेधावी नए जिले में सफलता की इबारत लिख कर नाम रोशन किया है विद्यालय मैनेजिंग डायरेक्टर सुजाता आनंद ने कहा कि शिक्षकों की अथक मेहनत विद्यार्थियों के लिए रामबाण साबित हुई है

बार बोर्ड परीक्षा परिणाम हुए बिना रिजल्ट घोषित किया गया है लेकिन यह रिजल्ट भी मेधावी ओके पूर्व परीक्षा का ही परिणाम है उन्होंने सभी बच्चों को बढ़ते रहने की प्रेरणा दी है विद्यालय सह निदेशक सुयश आनंद ने कहा कि सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थी गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सर्वोच्च अंक हासिल करके टॉप टेन सूची में दबदबा कायम रखा है इसका पूरा श्रेय विद्यालय प्रिंसिपल डॉ नितिन कुमार शर्मा एवं शिक्षकों को जाता है उन्होंने सभी बच्चों का मुंह मीठा कराते हुए आगे की कक्षाओं के लिए खूब ईमानदारी से मेहनत कर के और अधिक अंक लाने की शुभकामनाएं दी हैं विद्यालय प्रिंसिपल डॉ नितिन कुमार शर्मा ने कहा कि सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल जिले के प्रतिभाओं की पौधशाला है विद्यालय के शिक्षक सभी विद्यार्थियों को मेहनत ईमानदारी के साथ अथक प्रयास एवं लगन से तालीम देते हैं जिसका परिणाम रहा है कि कई वर्षों से स्कूल के बोर्ड परीक्षा परिणाम जिले में अव्वल रहे हैं उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के माध्यम से उन प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना है जो अथक प्रयास एवं मेहनत से तैयारी में जुटे हुए हैं उन्होंने सभी मेधावी यों के अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए स्कूल परिवार की तरफ से बच्चों को निरंतर आगे बढ़ते रहने एवं मेहनत ईमानदारी के साथ आगे की कक्षाओं की तालीम हासिल करने की नसीहत दी है विद्यालय प्रिंसिपल ने प्रबंध तंत्र के साथ स्कूल के मेधावी यों को माला पहनाकर मुंह मीठा कराते हुए उन्हें सम्मानित किया है उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है ऐसे ही सेंट जेवियर में तमाम प्रतिभाएं हैं जो समय समय पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके विद्यालय जिला व प्रदेश का नाम शिक्षा खेल सामाजिक कार्य सभी में आगे बढ़कर मान बढ़ाया है यही कारण है कि जिले में सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी के विद्यार्थी सभी क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़कर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं ।

बिशालकाय अजगर मिलने से हडकम्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के भरकना गांव में मंगलवार सुबह विशालकाय अजगर मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह भरकना गांव के ग्रामीणों ने आवासीय बस्ती में एक विशाल अजगर देखा। अजगर की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी सुरजू प्रसाद, वन दारोगा अंजनि मिश्रा, वन दारोगा राजन मिश्रा, वन्य जीव रक्षक दीनानाथ यादव, संतोष की टीम मौके पर पहुंची और अजगर का रेस्क्यू कर उसे शिवद्वार बीट में यूपी एमपी के बॉर्डर पर झरकटा के सीमावर्ती जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया।

आगामी त्यौहार मोहर्रम को लेकर तहसीलदार ने किया बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आगामी त्यौहार मोहर्रम को देखते हुए करमा थाना

परिसर में सुबह 10.00 बजे पीस कमेटी की बैठक आहूत की गई बैठक की अध्यक्षता कर रहे घोरावल तहसील दार सुरेश चंद्र शुक्ला ने कहा कि कोविड–19 के नियमों का पालन करते हुए त्यौहार मनाए ताजिया जुलूस नहीं निकाला जाएगा भीड़ भाड़ से बचें मास्क का प्रयोग अवश्य करें वही थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने लोगों से कहा कि अगर आप को किसी भी प्रकार की समस्या समझ में आती है तो बिना संकोच के संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं बैठक में मुख्य रूप से वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद यादव उप निरीक्षक शेषनाथ यादव शरीफ अहमद सरताज अहमद निहाल उद्दीन मेराज अहमद अब्दुल हमीद अजहरुद्दीन पापी प्रधान नागेंद्र मौर्य धीरज सिंह समेत अन्य लोग भी मौजूद रहे।

कोरोना की तीसरी लहर के लिए कानपुर के सरकारी अस्पताल नहीं हैं तैयार

अनूप त्रिपाठी / दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। में कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए शहर के सरकारी अस्पतालों में तैयारियां दो महीने पहले शुरू हो गई थी। लेकिन यह तैयारियां जिस तेजी से होनी थी वो सिर्फ कागजों पर दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों की मानें तो तीसरी लहर बच्चों के लिए घातक हो सकती है। इसीलिए जिला प्रशासन ने शहर में बने अस्पतालों में बच्चों के लिए अलग वर्ड के अलावा अतिरिक्त बेड लगवाने पुराने वार्डों को पीआईसीएस और आइसोलेशन वार्डों में कन्वर्ट करने की बात कही थी। लेकिन अब तक यह कार्य नहीं हो पाया है। उर्सला नॉन कोविड अस्पताल है तीसरी लहर के लिए यहां प्राइवेट विंग में बच्चों का एक आईसीयू भी बनाने का फैसला लिया गया था। 20 बेड आइसोलेशन के लिए भी लगने थे। इसी तरह कुल मिलकर यहां बच्चों के लिए 30 बेड आरक्षित होने थे। लेकिन अब तक यह तैयार नहीं हो पाया है। लिए गए फैसले में यह तय किया गया था कि जरूरत पड़ने पर इसे कोविड अस्पताल में कन्वर्ट कर दिया जाएगा, उसकी भी तैयारियां सिर्फ कागजों पर ही दिख रही है। यहां के इंचार्ज डॉ. सुशिल निगम ने बताया यहां बनने वाले पीआईसीयू वार्ड में 10 वेंटिलेटर भी लगाए जाने थे। ये काम भी अभी तक पूरा नहीं हो सका है। अन्य उपकरणों बाइपेप मशीन और हाई प्रेशर नेजल कैनुला की भी खरीदे जाने थे लेकिन शासन ने इसके लिए अभी तक बजट ही पास नहीं किया है। यहां सिर्फ ऑक्सीजन प्लांट तैयार किया गया है। उसको भी वार्डों से जोड़ने का काम काफी दिनों से लंबित पड़ा है। डफरिन अस्पताल में प्रशासन ने एक प्रस्ताव बना कर शासन को भेजा था जिसमें इस अस्पताल में एक 100 बच्चों का अस्पताल बनाया जाना था। जिसमें 50 बेड पीआईसीयू और 50 बेड आइसोलेशन के लिए तैयार किए जाने थे। इस अस्पताल के लिए न तो शासन ने अब तक कुछ किया और ना ही प्रशासन ने इस बारे में जब सीएमओ डॉ. नेपाल सिंह से पूछा गया तो उन्होंने कहा हम लोगों ने दो बार पत्र लिख कर शासन से अस्पताल के लिए बजट मंगा लेकिन अब तक वहां से फंड रिलीज नहीं किये गए है। हैलट में मेडिसिन वार्ड और बाल रोग विभाग के आईसीयू में लगे वेंटिलेटर कई दिनों से खराब चल रहे है। यह बात बाल रोग विभाग में चल रहे विवाद में लिखे गए पत्र से मालूम चलती है। जीएसवीएम कॉलेज के प्राचार्य ने बताया हम लोगों ने खराब वेंटिलेटर को बदलने के लिए शासन को पत्र लिख दिया है। अस्पताल में जितने भी खराब वेंटिलेटर है उन्हें इस हफ्ते के अंत तक बदल दिया जाएगा। साथ ही यहां इमरजेंसी में लगे पोर्टेबल वेंटीलेटर को भी बदला जाएगा। तीसरी लहर के लिए कांशीराम अस्पताल में तैयारियां की रफ्तार बहुत ही धीमी गति से चल रही है। यहां 100 बेड के बन रहे अस्पताल में 40 बेड का बच्चों के लिए आईसीयू तैयार किया जाना था। लेकिन यह काम सिर्फ कागजों में ही हुआ है। यहां 20 बेड का पीआईसीयू भी तैयार किया जाना था वो भी अभी पेंडिंग पड़ा हुआ है। कांशीराम में इस समय सिर्फ ऑक्सीजन प्लांट को चालू किया गया था लेकिन उसमे भी लीकेज होने के कारण उसे बंद कर दिया गया। इस अस्पताल में अभी उपकरणों को खरीदने के लिए लिस्ट तैयार की जा रही है। इसके अलावा दूसरी लहर में यहां ऑक्सीजन की किल्लत होने के कारण कई मरीजों की मौत हुई थी। इसके लिए प्रशासन ने यहां लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट लगवाने के लिए दो महीने पहले ही प्रस्ताव पास कर दिया था लेकिन उसके बाद भी यहां लगे बेड को सिलिंडर के सहारे ही चलाया जा रहा है।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 40 लाख की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कांफ्रेंस कर घटना का

खुलासा किया उन्होंने बताया कि मुखबिर की सूचना पर क्षेत्राधिकारी रावर्ट्सगंज के निर्देश पर सुकृत के अमडीह के पास कोतवाली प्रभारी सुभाषचंद्र राय, स्वाट टीम प्रभारी अमित तिवारी, एसओजी प्रभारी श्याम बहादुर यादव, व सुकृत चौकी प्रभारी ने घेराबंदी कर दो बाइक सवार दीपक कुमार उम्र 27 पुत्र परसुराम निवासी घुवास खुर्द रावर्ट्सगंज व जितेन्द्रनाथ उम्र 49 पुत्र रामनरेश निवासी कुंडाडीह म्योरपुर को पकड़ा जिनके पास से 400ग्राम हेरोइन बरामद हुई जिसकी बाजार में कीमत 40 लाख है उन्हें जेल भेज दिया गया।

फसल की रखवाली कर रहे बुजुर्ग की कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। बिधनू हाजीपुर गांव में ट्यूबवेल में सब्जी की फसल की रखवाली कर रहे बुजुर्ग ससुर के ईंट से चेहरा कूचकर हत्या कर दी गई। मंगलवार दोपहर खेत की ओर गए ग्रामीणों ने शव देख दी पुलिस को सूचना। मृतक बुजुर्ग दामाद बेटी के शहर में रहने की वजह से उनकी 30– 35 बीघा जमीन की देखरेख करते थे। पुलिस ने फारेंसिक टीम संग घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए। मटियारा गांव निवासी 65 वर्षीय विजयकांत मिश्रा ने बड़ी बेटी लक्ष्मी की शादी वर्ष 2002 में हाजीपुर निवासी कौशल किशोर के साथ कि थी। बेटी दमाद शादी के बाद से नौबस्ता में रहने लगे थे। कौशल के पिता स्वामी दयाल की वर्ष 2006 में मौत के बाद विजय दामाद की हाजीपुर स्थित 30–35 बीघा खेती की देखरेख करने लगे। जिसकी वहज से वह हर रोज मटियारा से हाजीपुर स्थित खेतों की देखरेख करने जाते थे। सोमवार सुबह हर रोज की तरह मटियारा स्थित घर से खेतों में लगी सब्जी की फसल की देखरेख के लिए वह निकले थे। सोमवार शाम को वह घर भी नहीं लौटे। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने देखा कि विजय का शव खेतों की ओर ट्यूबवेल की दीवार के नीचे लहूलुहान पड़ा हुआ था। ईंट से उनका चेहरा कूचकर हत्या की गई थी। उनकी बाइक घटना स्थल से 500 मीटर दूर कच्ची सड़क पर खड़ी मिली। ग्रामीणों की सूचना पर सीओ घाटमपुर पवन गौतम फोर्स और फॉरेंसिंक टीम संग घटना स्थल पहुंचे। मौके से साक्ष्य जुटाने के साथ पूछ पुलिस ने पड़ताल शुरू की।

नहीं रुक रहा है हत्याओं का सिलसिला, पुलिस की पकड़ से काफी दूर है हत्यारे

दैनिक बुद्ध का संदेश

कानपुर। के बिठूर थाना क्षेत्र के नारामऊ जीटी रोड किनारे मंगलवार सुबह एक अधेड़ का अर्धनग्न शव मिला है। सूचन पर पहुंची थाने की पुलिस फोर्स ने जांच–पड़ताल के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इससे पहले पनकी और नौबस्ता में युवक की हत्या करके शव फेंके गए लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी है। शिनाख्त नहीं होने से हत्या की गुत्थी उलझी हुई है। शवों की पुलिस नहीं कर सकी शिनाख्त हत्याकांड की गुत्थी उलझी। नारामऊ जीटी रोड किनारे एडवांस इंस्टीट्यूट के पास 45 वर्षीय अधेड़ का शव सुबह रोड किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला। अर्धनग्न होने के चलते हत्या की आशंका जताई जा रही है थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह की मानें तो शरीर पर कोई जाहिरा चोट नहीं है। फिर भी गांव और आसपास के लोगों से पूछताछ कर अधेड़ की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पहले सोमवार को पनकी नहर लोहे वाले पुल के नीचे युवक का सिर कटा शव मिला था और नौबस्ता में रविवार सुबह युवक की बैंक परिसर में नृशंस हत्या कर दी गई थी। दोनों हत्याकांडों में युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस शरीर पर मिले कपड़े समेत अन्य पहचान से शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। कानपुर के साथ ही आसपास के जिलों के सभी थानों में भी सूचना दी गई है, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। अब लगातार तीसरे दिन शव मिलने से हड़कंप मच गया है। नौबस्ता हत्याकांड की जांच के लिए पुलिस ने चार टीमों को लगाया है। सीसीटीवी फुटेज से भी युवक की शिनाख्त की जा रही है। तीन दिन बाद भी पुलिस युवक की शिनाख्त नहीं होने से हत्याकांड का खुलासा अटक गया है। वहीं पनकी में मिले सिर कटे शव की कपड़ों के आधार पर शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

गोला भा ज पा मंडल कार्यसमिति की बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला / गोरखपुर। उपनगर के एक मैरिज हॉल में गोला भा ज पा मंडल कार्यसमिति की बैठक का आयोजन मंगलवार को हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने आगामी 2022 चुनाव के लिए कार्यसमति सदस्यों व कार्यकर्ताओं से समीक्षा कर जानकारी लिया। उन्होंने मिशन 2022 चुनाव के लिये अभी से कमर कसने के लिये कहा। बैठक में उन अभियान और कार्यक्रमों पर चर्चा हुई जिनको लेकर पार्टी 2022 के लिए अब आगे बढ़ेगी। उन्होंने राज्य सरकार के कामकाज की जमकर सराहना किया और आने वाले 2022 में भाजपा की सरकार बनेगी। सेवा ही संगठन के मूलमंत्र केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याण नीतियों के साथ कार्यकर्ता जनता के बीच में जायेगे। आगे कहा कि संकट की घड़ी में हमारे हजारों कार्यकर्ताओं ने इस कोरोना काल के संकट की घड़ी में जो भी कार्य किए वह सराहनीय है। 5 तारीख से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना शुरू होगी और 12.30 पर प्रधानमंत्री का उद्बोधन होगा हमारे सभी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे और सरकार के किए गए विकास पर कार्यों को जनता के बीच बताएं। और कहा कि सेक्टर का नाम बदल गया है इसे शक्ति केंद्र अब कहा जाएगा शक्ति केंद्रों पर कार्यकर्ता काम कर रहा है कि नहीं कर रहा है इसको भी देखा जाएगा। बूथों का सत्यापन सही तरीके से होगा तब बूथ जीतेंगे तो चुनाव भी जीतेंगे मतदाता पुनर निरीक्षण का कार्य सही तरीके से हो जाए तो उसी दिन निश्चित हो जाएगा कि हमारी सरकार बनेगी। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री राजेश त्रिपाठी ने कहा 2022 का चुनाव हमारे सन्निकट है। हम सभी लोगों संगठित होकर अपनी सरकार बनानी है। बैठक को भाजपा जिला कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न कसौधन जिला उपाध्यक्ष हरिकेश राम त्रिपाठी स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय सहसंयोजक श्यामनारायण जिपंस माया शंकर शुक्ल विनोद तिवारी ने भी संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गोला देवेश निषाद व संचालन महामंत्री अमरमणि त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से शुभांगी मिश्रा सभासद दल के नेता अशोक वर्मा इंद्र बहादुर वर्मा सुदर्शन कसौधन अनिल दुबे इमरान अंसारी डॉक्टर बृजभूषण मिश्रा राज कपूर सिंह नीलेश दुबे वीरेंद्र मालाकार जोखन राजभर राम ललित तिवारी सदानंद मझवार संजय मद्धेशिया अर्जुन सोनकर कैलाश पासवान नीलेश दुबे सहित आदि लोग मौजूद रहे।

धक्का मुक्की के साथ बृहद टिकाकरण सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला / गोरखपुर। क्षेत्र के सी एच सी चिलवां और सी एच सी

पकड़ी पर सुबह से ही भारी जमावड़ा लगा रहा। जनता एक दूसरे से धक्का मुक्की कर ते हुए पहले टिका लगवाना चाह रहे थे। पकड़ी केन्द्र पर बेकाबू भीड़ देख टिकाकरण कुछ देर के लिए रोकना पड़ा गया। यही दशा चिलवां केन्द्र पर रही लेकिन यहां डायल 112 नम्बर पुलिस आकर मोर्चा संभाला तब जा कर टीकाकरण हो सका। गोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा योगेन्द्र नाथ सिंह ने बताया कि पखड़ी और चिलवां दोनों केन्द्रों पर 350–350 डोज भेजा गया है। दोनों स्वास्थ्य केन्द्र पर दो लाइन लगी हुई थी। एक महिला और एक पुरुष की। टीकाकरण टीम में एच ओ शर्वेश यादव, निलम यादव, एनम अंजना यादव,पुनम सिंह, संगिनी मिथिलेश दूबे, सीताराम आदि लोग थे।

हत्या में फरार अभियुक्तों के खिलाफ चस्पा किया नोटिस

कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत सिरसिया कला के पलट छपरा में पंचायती चुनाव की पूर्व रात हुई हत्या के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने फरार अभियुक्तों के न्यायालय द्वारा जारी नोटिस को डुग्गी मुनादी के साथ ही उनके घरों व सार्वजनिक भवनों पर चस्पा किया।उक्त गांव मे पंचायती चुनाव की पूर्व रात में रामप्रताप कुशवाहा की हत्या के मामले में परिजनों के तहरीर पर 28 नामजद और 20 अज्ञात लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था लेकिन बाद में विवेचना के दौरान पाँच लोगों को हत्या का दोषी ठहराया गया। जिसमें एक अभियुक्त को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और एक अभियुक्त पुलिस के दबाव के कारण न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। न्यायालय ने शेष तीन फरार चल रहे अभियुक्तों के खिलाफ धारा 82 के तहत नोटिस जारी किया है। जिसके अनुपालन के लिए थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय अपने हमराही मानवेन्द्र सिंह व शोएब के साथ अभियुक्तों के गांव पलट छपरा पहुंचे व डुग्गी मुनादी कराने के बाद उनके घर व सार्वजनिक भवनों पर नोटिस चस्पा कराया। पुलिस की इस कार्यवाही से ग्रामीणों में हड़कंप मचा हुवा है।उक्त प्रकरण में नेबुआ नौरंगिया थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय ने कहा कि यदि फरार अभियुक्त अतिशीघ्र समर्पण नही करते हैं तो पुलिस के द्वारा हो रही कार्यवाही के कारण उन सभी को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

तहसीन अहमद ने किया स्कूल टाप, परिजन व गुरूओ ने दी बधाई

SYED TAHSEEN AHMAD (96.40)
ST. JOSEPH'S SCHOOL,BARHALGANJ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बड़हलगंज / गोरखपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा कक्षा– 10वीं का परिणाम मंगलवार को घोषित किया गया। जिसमें सेंट जोसेफ स्कूल बड़हलगंज का परिणाम शत– प्रतिशत रहा । जिसमें प्रख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ डा हसीन अहमद व डा अजविया जावेद के पुत्र तहसीन अहमद ने 96.40: प्राप्त कर विद्यालय मे प्रथम स्थान प्राप्त किया, श्रीप्रिया ओझा व अवनीक गुप्ता ने 95.60: प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं शुभम सिंह ने 95: प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इनके अलावा समृद्धि मेधा पांडे ने 94.80:,माहिम अहमद ने 94.60:, निखिल वर्मा ने 94.60:,अनुष्का राज ने सिंह94.40:, दीप साहू ने 94.40:, स्निग्धा राय ने 93.80:,अंशुमान शुक्ला ने 93.60:, अभिजीत शाही ने 93.40:, भव्या राय ने 93.40:, आयुष सिंह ने 93.40:, अदिती गुप्ता ने 93.20:, शांभवी राय ने 93:, अंकिता चंद ने 92.60:, श्रद्धा दूबे ने 92.40:, देव साहू ने 92.20:, निधि रावत ने 91.80:, यशवर्धन सिंह ने 91.80:, आदित्य राय ने 91.60:, विनय कुमार यादव ने 91:, प्रणव पाठक ने 91:, संगम गुप्ता ने 91:, दामिनी राय ने 90.80: प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने परिवार का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर थामस ने अव्वल अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पुलिस चौकी के सामने सरकारी कर्मचारी की पत्नी को धारदार से जखमी कर हुई लूट की वारदात

सीतापुर। शहर की तानसेनगंज पुलिस चौकी के ठीक सामने स्थित सरकारी कॉलोनी में .दोपहर लूट के इरादे से घुसे बदमाशों ने एक कर्मचारी की पत्नी को बंधक बनाकर लूटपाट की वारदात अंजाम दे डाली। महिला ने विरोध किया तो बदमाशों ने धारदार हथियार से उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया।

वारदात अंजाम देकर लुटेरे भाग निकले लेकिन मौका ए वारदात के ठीक सामने स्थित चौकी के पुलिस कर्मियों को जानकारी तक नहीं हो पाई। जख्मी महिला होश आने पर जब घर के बाहर निकली और शोर मचाया तो लोगों को जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जख्मी महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के वक्त महिला घर में अकेली थी। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेजरी में तैनात वरिष्ठ लिपिक सरोज मिश्रा का शहर के लालबाग स्थित तानसेनगंज पुलिस चौकी के ठीक सामने वाली सरकारी कॉलोनी में आवास आवंटित है। बीमारी के चलते सरोज मिश्रा परिवार के अन्य लोगों के साथ इस दौरान लखनऊ में अपना इलाज करा रहे थे। यहां सरकारी आवास में उनकी पत्नी सौम्या मिश्रा घर में अकेली थी। दोपहर दो बदमाश उनके सरकारी आवास पर आ ध मके और बेल बजाई। बेल की आवाज सुनकर सौम्या मिश्रा बाहर निकली। दरवाजा खोला। जैसे ही दरवाजा खुला दोनों बदमाश उनक धक्का देकर अंदर घुस गए। जिसके बाद बदमाश घर में लूटपाट करने लगे। सौम्या मिश्रा ने लूट का विरोध किया। इस पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में सौम्या बेहोश हो गई। जिसके बाद बदमाश घर से लूटपाट कर भाग निकले। कुछ देर बाद जब उन्हें होश आया तो चीख पुकार करते हुए घर के बाहर निकली। आसपास मौजूद लोगों को जानकारी दी। लोग मौके पर पहुंचे। साथ ही पुलिस को सूचना दी गई। घटना की खबर पाकर सीओ सिटी पीयूष कुमार सिंह, इंस्पेक्टर टीपी सिंह, क्राइम ब्रांच सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इस बीच बेहोशी की हालत में सौम्या को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। बदमाश कितनी कीमत का सामान लूट ले गए हैं। इसके बारे में घर के लोगों ने समाचार लिखे जाने तक कोई जानकारी नहीं दी थी। सीओ सिटी पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि घटना की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। बदमाशों का पता लगाया जा रहा है।

संस्कार भारती सीतापुर जनपद की नवीन कार्यकारिणी गठित

विलुप्तप्राय लोककलाओं का संरक्षण नितांत आवश्यक : डॉ0 संजीव किशोर गौतम

सीतापुर। संस्कार भारती सीतापुर जिला इकाई के तत्वाव धान में तरीनपुर स्थित रामकिशोर श्रीवास्तव के आवासीय प्रांगण में त्रैवार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रूप में अवध प्रान्त लखनऊ से पधारे हुए प्रांतीय प्रतिनिधि के रूप में अवध प्रान्त महामंत्री डॉ0 संजीव किशोर गौतम ने सर्वसम्मति से जिलाध यक्ष के पद पर इंजी0 अम्बरीष श्रीवास्तव अम्बर का मनोनयन करते हुए अपने वक्तव्य में जनसामान्य में कला के माध्यम से संस्कारों को स्थापित करने की बात करते हुए कहा कि अपने समाज में विलुप्त हो सही कला की अनेक विधाओं के संरक्षण की नितांत आवश्यकता है। जिसके निमित्त हमारी संस्था निरंतर प्रयासरत रहनी चाहिए। प्रान्त से पधारे हुए अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर दीपार्चन के उपरांत कार्यक्रम का प्रारंभ दीप्ति निगम द्वारा गाये गए संस्था के ध्येय गीत से हुआ तद्पश्चात प्रांतीय उपाध्यक्ष विनोदनी रस्तोगी ने संस्था का परिचय करते हुए उसके द्वारा मनाये जाने वाले छरू उत्सवों क्रमशरू चौत्र वर्ष यप्रतिपदा्य ए असाढ़ गुरु पूर्णिमाए कृष्ण. जन्मोत्सवए दीपावली परिवार मिलनए भारत माता पूजन छब्बीस जनवरी व भरतमुनि जयन्ती माघ पूर्णिमा आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रांतीय कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह ने संगठन दृढ करने व कलाकारों को प्रोत्साहन देने पर विशेष बल दिया। तद्पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए इंजी0 अम्बरीष श्रीवास्तव ने मनोनीत की गयी नवीन जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसके अंतर्गत उपाध यक्ष के पद पर डॉ0 मनोज दीक्षित दीक्षित, बाल गोविंद द्विवेदी व निधि खन्ना, मंत्री विश्वदीप शुक्ला, सह.मंत्री प्रतीक मिश्र व अरुण मिश्र, कोषाध्यक्ष शिवप्रताप जायसवाल, मीडिया प्रमुख रामकिशोर श्रीवास्तव, कार्यालय प्रमुख वैकुण्ठ सागर, संपर्क संयोजक अरुण शर्मा बेधड़क साहित्य विधा संयोजक लवकुश शुक्ल, सह संयोजक आचार्य शिवप्रकाश अवस्थी, संगीत विधा संयोजक नीरज श्रीवास्तव, सह संयोजक उत्तरा रस्तोगी, नृत्य विधा संयोजक पूजा मेहरोत्रा, सह संयोजक प्रणय मिश्र, नाट्य विध ा संयोजक गोपाल टंडन, सह संयोजक अतन शुक्लए चित्रकला विधा संयोजक लक्ष्मी वर्माए रंगोली विधा संयोजक दीप्ति निगम, सह संयोजक आकांक्षा शुक्ला, श्रव्य.दृश्य विधा संयोजक अभिषेक सिंह, लोककला विधा संयोजक कंचन रस्तोगी व सह संयोजक पद पर मनोज अवस्थी को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुरेश कुमारए सुनीता यादव व विनीत तिवारी मिश्रिख को मनोनीत किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत उपरोक्त कवियों के साथ.साथ संस्था की अखिल भारतीय प्रबंध कारिणी सदस्य कमलेश मौर्य मृदुश, आराधना श्रीवास्तव व डॉ0 प्रवीण कुमार श्रीवास्तव आदि ने काव्य की विभिन्न विधाओं में रसवर्षण करके समां बाँध दिया। अंत में राम किशोर श्रीवास्तव ने उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम से हुआ।

निर्धन व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मिल रहा राशन

सीतापुर। भारत सरकार द्वारा कोविड.19 महामारी के दृष्टिगत समाज के निर्धन व्यक्तियों को राहत पहुंचानें के उद्देश्य से प्रध ानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभार्थियों को 05 किलोग्राम प्रति व्यक्ति खाद्यान्न निरूशुल्क वितरित कराया जा रहा है। उक्त योजना का लाभ प्रत्येक वास्तविक लाभार्थी को प्राप्त होए इसके दृष्टिगत इस योजना के व्यापक प्रचार. प्रसार हेतु सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद में 5 अगस्त को आयोजित होने वाले अन्न महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने तैयारियों की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि आयोजन हेतु सभी आवश्यक प्रबन्ध समय से पूर्ण कर लिये जायें। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी आयोजन स्थलों पर कोविड हेल्प डेस्क स्थापित की जाये तथा कोविड प्राटोकाल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिये कि शासनादेश में दिये गये निर्देशों को कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुये सभी आयोजन कराये जायें। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता व्यवस्थाए सजावट इत्यादि सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु तैनात सभी सेक्टर एवं नोडल अधिकारी आवंटित कार्यक्रम स्थल का पहले से ही भ्रमण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। सभी दुकानों पर राशन एवं ई.पास मशीनों की उपलब्धता भी समय से सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने सभी स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों की रूप.रेखा बनाकर तद्नुसार आयोजन सफल बनाये जाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक आर0पी0 सिंह ने बताया कि सभी आयोजन स्थलों पर पुलिस का पर्याप्त प्रबन्ध रखने के लिये पर्याप्त पुलिस बल एवं पुलिस अधिकारियों की तैनाती की जा रही है। बैठक के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी संजय कुमार प्रसाद ने अवगत कराया कि 5 अगस्त को आयोजित किये जाने वाले अन्न महोत्सव के दौरान जनपद की सभी उचित दर दुकानों पर टेलीवीजन के माध्यम से प्रधानमंत्री के सम्बोध ान का सजीव प्रसारण किया जायेगा। प्रत्येक उचित दर दुकान पर कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित करते हुये लाभार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी। जिनमें कुछ ऐसे भी लाभार्थी होंगे जो प्रथम बार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत राशन प्राप्त कर रहे हों। उन्होंने बताया कि प्रत्येक उचित दर दुकान पर टेलीवीजन की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी ताकि उपस्थित जनमानस उक्त प्रसारण देख सकें। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी विनय कुमार पाठक, अपर पुलिस अध ीक्षक उत्तरी डा0 राजीव दीक्षित, जिला पूर्ति अधिकारी संजय कुमार प्रसाद, जिला विकास अधि ाकारी राकेश कुमार पाण्डेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाजार से वापस लौट रहे युवक की दबंगों ने की पिटाई

सेउता (सीतापुर)। थाना रेउसा क्षेत्र में दबंगों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं जो थमने का नाम नहीं ले रहा है। आये दिन ऐसे मामले आ रहे है जिन पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिससे दबंगों के हौसलें बुलंद होते जा रहे हैं। शनिवार शाम को बाजार से घर वापस लौट रहे युवक को दबंगों ने लात घुसों से जमकर पिटाई कर दी। पीडिघ्त ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगायी। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रेउसा के ग्राम सिकरोहर कलां निवासी सरोज कुमार पुत्र मोती लाल अपने घर से बाजार बेहटा गया हुआ था। जहां से घर का सामान लेकर घर वापस लौट रहे युवक को पहले से ही घात लगाये बैठे मयंक पुत्र ब्रजेश शुक्ला व ब्रजेश पुत्र ब्रम्हादीन के द्वारा अभद्र भाषा में गालियां दे देने लगे। इस बात पर युवक के विरोध करने पर उसकी लात घूसों से जमकर पिटाई कर दी। जब इस संबंध में रेउसा थाना प्रभारी बाल कृष्ण मिश्रा से बात की गई तो उन्होंने बताया है। पीडिघ्त के द्वारा तहरीर मिली है और दबंगों के खिलाफ जांच कर उचित कार्यवाही की जायेगी।

सघन दस्त नियंत्रण पखवारा का शुभारम्भ

हरदोई।जिला महिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.सूर्यमणि त्रिपाठी ने सघन दस्त नियन्त्रण पखवारा (आईडीसीएफ) का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर डॉ. त्रिपाठी ने कहा,यह अभियान 14 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान दस्त से बचाव एवं प्रबंधन के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इस अभियान के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बाल्यावस्था में दस्त के दौरान मौखिक निर्जलीकरण घोल (ओआरएस) एवं जिंक के प्रयोग को बढ़ावा देना है। इसके तहत समुदाय में लोगों को इस बारे में जागरूक करने के साथ ही स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा ओआरएस बनाकर प्रदर्शित भी किया जाएगा। पखवारे के दौरान पांच साल से कम आयु के बच्चों में दस्त को कैसे रोकें और इनका उपचार कैसे किया जाये, इस बारे में समुदाय में लोगों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता बताएँगे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा– दस्त का मुख्य कारण दूषित पेयजल, स्वच्छता और साफ सफाई का अभाव होता है, इसलिए लोगों को स्वच्छता और हाथों की सफाई के बारे में बताया जायेगा।शौच जाने के बाद,खाना बनाने और खाने से पहले अपने हाथ साबुन से अवश्य धोएं। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर–घर जाकर ओआरएस पैकेट का वितरण करेंगे और इसके उपयोग के बारे में जानकारी देंगे।आशा कार्यकर्ता पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों के सभी परिवारों में, ऐसे परिवारों में जहाँ पांच वर्ष की आयु का कोई कुपोषित बच्चा है या ऐसा कोई परिवार जहाँ पांच वर्ष की आयु का बच्चा दस्त से ग्रसित है वहां दस्त के दौरान बच्चों को ओआरएस,तरल पदार्थ एवं जिंक का उपयोग करने की सलाह देंगी।डा. त्रिपाठी ने कहा– दस्त बंद हो जाने के बाद भी जिंक की खुराक दो माह से पांच साल तक के बच्चों को उनकी आयु के अनुसार कुल 14 दिनों तक जारी रखनी है।

यदि जिंक और ओआरएस के उपयोग के बाद भी डायरिया ठीक न हो तो बच्चे को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाएँ। पीने के लिए साफ पानी का प्रयोग करें।बीमारी के दौरान और बीमारी के बाद भी आयु अनुसार स्तनपान, ऊपरी आहार तथा भोजन जारी रखें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा– यह अभियान कोविड से बचाव के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आयोजित किया जायेगा।अभियान के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता लोगों को मास्क लगाने, दो गज की सामजिक दूरी का पालन करने और बार–बार हाथ धोने के बारे में भी बतायेंगे।

इस मौके पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. प्रशांत रंजन, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुशील कुमार, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी प्रेम चंद यादव, क्वालिटी एश्योरेन्स कंसल्टेंट डा.दिलीप जयसवाल, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक सुजीत कुमार, जिला समुदाय प्रक्रिया प्रबन्धक शिव कुमार सिंह, परिवार कल्याण परामर्शदाता गरिमा शुक्ला और यूनिसेफ के प्रतिनिधि ा उपस्थित रहे।

अज्ञात चोरों ने 5 घरों को बनाया निशाना, दो घरों से ले गये लाखों का माल

संदना (सीतापुर)। नैमिषारण्य थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम करखिला में रात लगभग 1 बजे चोरों ने 5 घरों में धावा बोला। जिसमें दो घरों में चोरी करने में सफल हुए 3 घरों में गृह स्वामियों के जागने के कारण कुछ नहीं ले जा पाये। रमेश कुमार निवासी करखिला अपनी पुत्री सीलू की शादी कुछ दिन पहले की थी। पुत्री 2 दिन पहले ससुराल से अपने घर आई थी। लड़की के दो हार, दो जोड़ी पायल, झाला, झुमकी, बाला नगद रुपये 15 सौ कमर, मांग बेंदी, लड़की की मां शिव प्यारी का भी जेवर ले गये। शिव प्यारी ने लगभग 5 लाख रुपए रूपये का नुकसान हुआ है। मुंशीलाल मिश्रा निवासी करखिला 2 जोड़ी पायल एक अंगूठी 1 जोड़ी वाला 20 हजार नगद और आवश्यक कागजात ले गये। फिर विश्वपाल मिश्रा के घर धावा बोल दिया। घर के अंदर घुस कर मेन गेट का ताला तोड़ दिया। आवाज सुनकर गृह स्वामी के जाग जाने के कारण चोर भाग गये। इंदल के घर भी घुसकर ताला तोड़ा कुछ ले जाने में सफल नहीं हुए। अमित के घर भी घुसने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुए। इस सम्बंध में जब थाना नीमसार के चौकी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है जांच की जा रही है।

रक्षाबंधन व मोहर्रम के त्यौहार को लेकर पीस कमेटी बैठक

हरदोई। कोतवाली परिसर में रक्षाबंधन व मोहर्रम के त्यौहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक का आयोजन हुआ।जिसमें क्षेत्र से आए गणमान्य लोगों से मोहर्रम व रक्षाबंधन का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपजिलाधिकारी सवायजपुर दीपक वर्मा ने कहा कि सभी लोग रक्षाबंधन व मोहर्रम के त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। कोविड–19 नियमों का कड़ाई से पालन करें। सभी लोग जब घर से बाहर निकले तो मास्क व सैनिटाइजर का अवश्य प्रयोग करें। एक जगह पर पाँच लोग से अधिक एकत्र न हो।क्षेत्र से आए सभी गणमान्य लोगों से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि कोविड–19 महामारी से निपटने के लिए सभी लोग अपने गांव में टोली बनाकर ग्रामीणों को जागरूक करने का काम करें। इस मौके पर आबकारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह,हरपालपुर के प्रभारी निरीक्षक दीपक शुक्ला,अभिराम सिंह, आशीष पांडेय,अरुण चौहान,जितेंद्र राजपूत, रामकृपाल मिश्रा,सागर खान,अब्दुल हामिद, रफीक अहमद,सगीर खान,सगीर खान हरपालपुर के ग्राम प्रधान सज्जाद मंसूरी आदि मौजूद रहे।

हरपालपुर थाना क्षेत्र में जुएं का फैलता कारोबार, 11 जुआंरी गिरफ्तार

हरदोई। हरपालपुर थाना क्षेत्र में कई वर्षों से जुँआ का कारोबार तेजी से पनप रहा है।बताते चलें कि दिउसीपुर गांव में बाहर से भी जुआंरी,जुआं खेलने के लिए यहां पर आते हैं। हरपालपुर पुलिस ने देर शाम मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के ग्राम दिउसीपुर के दक्षिण बाग से जुआँ खेल रहे नरेंद्र सिंह निवासी सुरजूपुर,रामसिह निवासी शयामपुर पंजा, गोरस राम निवासी खसौरा,कल्लू निवासी खसौरा ,शमशाद निवासी काईमऊ थाना सांडी, सतीश निवासी रौरा थाना सांडी,नफीस निवासी काईमऊ थाना सांडी,नसरुद्दीन निवासी काईमऊ थाना सांडी, प्रवीन निवासी नेवादा परौंची थाना सांडी,राकेश निवासी परसापुर थाना सांडी,गुड्डू निवासी नेकपुर हातिमपुर थाना सांडी सहित 11 लोगो को गिरफ्तार कर लिया।प्रभारी निरीक्षक दीपक शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने कुल 22048 रुपये बरामद किए हैं। जिसमें माल फड़ 19878 रुपये तथा माल जामा तलाशी 2170 रुपये व 52 अदद ताश पत्ते तथा नौ बाइक बरामद की गई है।उन्होंने कहा कि सभी आरोपितों के विरुद्ध जुँआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अरवल पुलिस ने 20 लीटर कच्ची शराब के साथ दो को किया गिरफ्तार

हरदोई। अरवल थाना क्षेत्र के रामनगर गांव निवासी राम औतार पुत्र भूरा पप्पू पुत्र रामऔतार के पास से पुलिस ने 20 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। वही दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। बताते चलें कि अरवल थाना क्षेत्र के दर्जनों ऐसे गांव हैं जिनमें कच्ची शराब का धंधा लघु उद्योगों का रूप ले रहा है, कच्ची शराब माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और वहां धड़ल्ले से कच्ची शराब की बिक्री करते हुए नजर आते हैं।अरवल थाना अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि 2 आरोपियों के कब्जे से 20 लीटर कच्ची शराब बरामद करते हुए मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

ओलंपिक खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु भाजयुमो ने साइकिलिंग चौलेंज अभियान चलाया

हरदोई।भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश नेतृव के आवाहन पर टोक्यो में चल रहे ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने गए भारतीय खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने हेतु भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा अभियान चलाया। नगर में जिलाध्यक्ष आकाश सिंह के नेतृत्व में साइकिलिंग चौलेंज अभियान चलाया गया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि यह पहली बार ऐसा हुआ है कि भारत से इतना बड़ा दल ओलम्पिक में प्रतिनिधित्व करने गया है जो देश के यशस्वी प्रधान मंत्री के कारण संभव हुआ है।आयोजित साइकिलिंग चौलेंज अभियान में सैकड़ो युवाओ ने प्रतिभाग किया और ओलंपिक में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व कर रहे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए आम जनमानस को प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से इस कार्यक्रम के संयोजक जिला कार्य समिति सदस्य वीरेंद्र सिंह, जिला महामंत्री प्रखर अग्निहोत्री, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी अनुज मिश्रा,अंकुश शर्मा, गोविंदा,विवेक शुक्ला,राम सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहीद पार्क की बदहाली से परेशान प्रबुद्धजन उपवास पर बैठे

सीतापुर। लालबाग शहीद पार्क की बदहाली से आजिज प्रबुद्धजन उपवास पर बैठे। 96 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिवनारायण शर्मा ने कहा कि शहीदों की याद में बना पार्क बदहाल है, तो हम कैसे आजादी का अमृत उत्सव मना सकते हैं? पूर्व पालिकाध्यक्ष आशीष मिश्रा के नेतृत्व में शुरू हुई इस मुहिम के पहले दिन आज स्वतंत्रता सेनानी राजपति पुरूस्कार से सम्मानित शिक्षक सहित कई प्रबुद्धजन उपवास पर बैठे। आशीष मिश्रा ने कहा कि शहीदों की याद में बने पार्क का इस्तेमाल नगर पालिका कूड़ा डालने के लिये कर रही है। शहीद स्तम्भ के चारों और अतिक्रमण है। जलभराव के कारण पार्क में दुर्गन्ध ा के भभके उठते हैं। मंदिर के पीछे अराजकतत्व जुआ खेलते हैं। मस्त हफीज रहमानी ने कहा कि अफसर नही सुनेंगे, तो जरूरत पडने पर पार्क के गौरव को वापस लाने के लिये भूख हड़ताल पर बैठेंगे। उन्होने कहा कि इसी पार्क में ऐतिहासिक चौरी–चौरा काण्ड का शताब्दी वर्ष मनाया गया। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव की तैयारी चल रही है। 18 अगस्त 1942 में सीतापुर निवासी आजादी के सात दीवाने शहीद हुए थे। उनकी याद में स्तम्भ बनाया गया था। जो आज कूड़े–कचरे का अड्डा बन गया है। वर्ष 1944 से स्थापित उत्तर भारत की सबसे पुरानी हिन्दी सभा भी यही स्थित है, फिर भी पार्क के रखरखाव की ओर किसी का ध्यान नही है। स्वतंत्रता सेनानी शिवनारायण लाल शर्मा, मस्त हफीज रहमानी, आशीष मिश्रा, जमील अहमद खाँ, सरदार चरनजीत सिंह, आकाश मिश्रा, सुधीर शर्मा, कमलेश मौर्य मृदु, आलोक सीतापुरी, पंकज अग्निहोत्री, प्रवीण शुक्ला, मुजीब सीतापुरी उपवास पर बैठे। आशीष मिश्रा ने कहा कि यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

हरियावां थाना क्षेत्र के एक गांव में मिला नग्न अवस्था में 8 वर्षीय लड़की का शव

हरियावां,हरदोई।हरियावांथाना क्षेत्र के गोड़ाखेड़ा गांव में गन्ने के खेत में 8 वर्षीय लड़की के शव मिलने से हड़कंप मच गया ।मिली जानकारी के अनुसार,गोड़ाखेड़ा निवासी बंशीलाल की 8 वर्षीय पुत्री हेमा1अगस्त की शाम 5रू00 बजे से घर से गायब थी। परिजनों ने ग्रामीणों के साथ काफी खोजबीन की लेकिन सफलता नहीं पाई। पीड़ित पिता ने हरियावां थाना परिसर में 11रू00 बजे 2 जुलाई को सूचना दी।मौके पर सक्रिय हुई स्थानीय पुलिस व ग्रामीणों ने गांव के बाहर जगदीश के खेत में लड़की का नग्न अवस्था में क्षत–विक्षत शव मिला।सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधि ाकारी एडिशनल एसपी, सीओ सिटी ,सीओ हरियावां के साथ थाना प्रभारी मझिला, थाना प्रभारी हरियावां चौकी इंचार्ज सहित भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा फोरसेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई।जांच करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पिता के शक के आध ार पर बाबू पुत्र सीताराम भुर्जी निवासी गोडा खेड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया है वहीं अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया, सभी बिंदुओं की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

1600 मीटर रेस का आयोजन कोरिया में किया गया

हरदोई।डिफेंस एकेडमी1600 मीटर रेस का आयोजन कोरिया में किया गया। एकेडमी संचालक सौरभ पाल ने बताया,लगभग 80 प्रतिभागी बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।मुख्य अतिथि के रूप में बावन ब्लॉक के नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुख धर्मेंद्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। बच्चों को संबोधि ात करते हुए कहा,मै हमेशा एकेडमी तथा बच्चों को उनकी प्रैक्टिस तथा सेना में भर्ती संबंधित तैयारी से संबंधित किसी चीज की कमी नही होने दूंगा। हर संभव उनकी मदद करूँगा।एकेडमी संचालक सौरभ पाल तथा आयोजक राहुल सिंह फौजी ने बच्चों को मोटीवेट करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। संचालक द्वारा बुके तथा राहुल सिंह फौजी तथा पूरी टीम ने माल्यार्पण कर प्रमुख का स्वागत किया।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं0– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

खुद पर भरोसा नहीं होने से मैंने एक बार अभिनय छोडने का सोचा था :तान्या मानिकतला

मीरा नायर की वेब सीरीज श्द सूटेबल बॉय्य में तान्या मानिकतला ने अपने अभिनय और खूबसूरती से सबका ध्यान खींचा और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया के प्रतिभागियों में से एक के रूप में चुने जाने से लेकर संतोष सिवन की श्मुंबईकय्य, आगामी ओटीटी एंथोलॉजी श्फील्स लाइक इश्क्य और वेब सीरीज श्चुटजपाह्य में भूमिकाएं हासिल करने तक तान्या मानिकतला के अभिनय में बहुत कुछ दमखम है.

हालांकि उन्होंने सभी को ये कहते हुए चौंका दिया कि उसने अपने पहले शो श्फ्लेम्स्य्य के बाद एक समय पर अभिनय छोडने का फैसला कर लिया था. उन्होंने बताया यह मेरे लिए खुद अवास्तविक लगता है कि मैंने वास्तव में कुछ भी होने की उम्मीद नहीं की थी. इसलिए, मेरे करियर के इस चरण में, बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया हो रहा है और मुझे उन 10 प्रतिभागियों में से एक के रूप में चुना जा रहा है जहां मुझे बातचीत करने का मौका मिलेगा और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सलाह मिलेगी! मैं भाग्यशाली महसूस करती हूं और मुझे लगता है कि मैं चमत्कारों में ज्यादा विश्वास करती हूं.

तान्या ने अपने अभिनय की शुरूआत वेब सीरीज श्फलेम्स्य्य से की, जब वह कॉलेज में थी . शो के रिलीज होने के बाद उन्होंने सोचा कि हर कोई उन्हें ऑफर से भर देगा और वह बॉलीवुड स्टार बन जाएगी. उन्होंने याद किया मैं दिल्ली से हूं, मुझे यह नहीं पता कि मनोरंजन का व्यवसाय कैसे काम करता है. इसलिए, मैंने सोचा कि एक शो करने से मुझे काम, फिल्में आदि की श्रृंखला मिल जाएगी. मैं वास्तव में भोली थी. मैं ऑडिशन देती रही और अस्वीकृति का सामना करना शुरू कर दिया.

अभिनेत्री ने साझा किया यही वह समय था जब मैंने खुद पर संदेह करना शुरू कर दिया और अभिनय छोडने के बारे में सोचा. मुझे लगता है कि किसी भी उभरते अभिनेता या कलाकार के लिए, आत्म–संदेह एक बड़ा मुद्दा हो सकता है जो सभी आत्मविश्वास और □ढ़ विश्वास को तोड़ सकता है. आपको लगता है कि आपका सपना टूट गया है. लोग कर सकते हैं अपने चेहरे पर कठोर रहें जब वे आपको एक ऑडिशन में अस्वीकार करते हैं . मैं शिकायत नहीं कर रही हूं, लेकिन मैं कह रही हूं कि मैं युवा थी, भोली थी, अभी भी कॉलेज में थी और इसके लिए तैयार नहीं थी.

कुछ समय के लिए, उन्होंने पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया, एक विज्ञापन एजेंसी में एक कॉपीराइटर के रूप में नौकरी की और अभिनय में बड़ा करने के अपने सपने को छोड़ दिया. तान्या ने कहा मैं अपने दोस्त की आभारी रहूंगी जिसने मुझे श्द सूटेबल बॉय्य के ऑडिशन के लिए जाने के लिए प्रेरित किया और शुरू में ऑडिशन के बाद मुझे चयन कॉल मिलने की उम्मीद नहीं थी. बल्कि मैं उच्च अध्ययन के लिए मेलबर्न जाने के लिए तैयार थी. मेलबर्न जाने से पंद्रह दिन पहले, मुझे बताया गया था कि मीरा (नायर) दी अंतिम ऑडिशन देना चाहती है और वह दिल्ली आ रही है.

उन्होंने हस्ताक्षर किए आखिरकार, मुझे वह भूमिका मिली और मीरा दी ने मुझे उस आत्मविश्वास को बनाने में मदद की जो मैंने पहले सभी अस्वीकृति के कारण खो दिया था. उन्हेंने मुझे विश्वास दिलाया कि अगर मुझे खुद पर विश्वास है, अगर मेरा कोई सपना है और उस पर काम करना है, तो कोई नहीं है जिस तरह से मैं इसे हासिल नहीं करूंगी.

यूं कर रही हैं पापा का नाम रोशन एरिका पैकर्ड

हिंदी फिल्मों में विलन का रोल प्ले करने वाले गैविन पैकर्ड की बेटी एरिका पैकर्ड ग्लैमर की दुनिया में एक चमकता चेहरा

हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी–खासी फैन फॉलोइंग है। सबसे पहले तो हम आपको एरिका पैकर्ड के पिता यानी ऐक्टर गैविन पैकर्ड के बारे में बताते है। 90 के दशक में इस ऐक्टर ने कई बॉलिवुड फिल्मों में काम किया, जिनमें श्ये है जलवाय्य, श्सड़क्य्य, श्मोहराय्य, श्तड़ीपार्य्य और श्चमत्कार्य्य जैसी फिल्में शामिल हैं। गैविन पैकर्ड जब स्क्रीन पर आते थे तो एक खूंखार विलन के रूप में उनका रूप देख दर्शक भी डर जाते थे। पर रियल लाइफ में गैविन बेहद कूल और विनम्र स्वभाव के थे। बहुत ही कम लोगों को पता होगा कि गैविन पैकर्ड एक ऐक्टर ही नहीं बल्कि नैशनल अवॉर्ड विनिंग बॉडीबिल्डर भी थे। गैविन पैकर्ड ने संजय दत्त और सुनील शेट्टी के अलावा सलमान खान के बॉडीगार्ड शेरा तक को ट्रेनिंग दी थी। गैविन पैकर्ड ने बॉलिवुड ही नहीं साउथ की फिल्मों में भी काम किया था। भले ही फिल्मों में उनका रोल छोटा होता था, पर वह उनके दम पर अपनी छाप छोडने में कामयाब रहे। लेकिन अफसोस साल 2012 में गैविन पैकर्ड का सांस संबंधी एक बीमारी के चलते निधन हो गया। उनकी दो बेटियां हैं–एरिका और कैमिली पैकर्ड। एरिका पैकर्ड फैशन और मॉडलिंग वर्ल्ड का जाना–माना नाम हैं। भले ही एरिका फिल्मी बैकग्राउंड से रही हों, लेकिन उन्होंने अपने लिए एक अलग रास्ता चुना। वह साइकॉलजी के फील्ड में जाना चाहती थीं, लेकिन किस्मत एरिका को ग्लैमर और फैशन की दुनिया में ले आई। एरिका पैकर्ड एक मॉडल हैं और वह इंस्टाग्राम पर अकसर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इंस्टग्राम पर उनके अब तक 180 के फॉलोअर्स हैं। एरिका इंडिया के टॉप डिजाइनर्स के लिए रैंपवॉक कर चुकी हैं और इतना ही नहीं वह दुनिया भर के टॉप मॉडलिंग एजेंसी के साथ भी काम कर चुकी हैं। एरिका पैकर्ड ने कई विज्ञापनों में काम किया, जिनमें से एक में वह रणबीर कपूर के साथ भी नजर आईं। एरिका अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चाओं में रहीं। बताया जाता है कि एरिका पैकर्ड ने ने बॉलिवुड ऐक्टर शक्ति कपूर के बेटे सिद्धांत कपूर को करीब एक दशक तक डेट किया, लेकिन 2014 में उनका ब्रेकअप हो गया।

केले का छिलका भी होता है सेहत के लिए फायदेमंद, जानें इसके सेवन के लाभ

केला एक गुणकारी फल है जो न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी होता है। इसका सेवन हृदय, मस्तिष्क, पाचन और हड्डियों आदि के रोगों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते है केला ही नहीं बल्कि इसके छिलका भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। चलिए फिर आज आपको केले के छिलके के फायदे बताते हैं जिसके बाद आप इसे फेंकने की बजाय इसका इस्तेमाल करना पसंद करेंगे। मुंहासों से दिलाता है छुटकाराः मुंहासे त्वचा से जुड़ी एक समस्या है जिनके कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। हालांकि केले के छिलके आपकी इस परेशानी को जल्द दूर करने में मदद कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, केले के छिलके में एंटी–माइक्रोबियल और एंटी–ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। ये गुण मुंहासे पैदा करने वाले कीटाणुओं को नष्ट करके त्वचा को फिर से ठीक करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए केले के छिलके को प्रभावित जगह पर रोजाना कुछ सेकेंड रगड़ें। दांतों को चमकाने में करता है मददः खिलखिलाती मुस्कान के लिए दांतों का साफ और सुंदर होना जरूरी है और इसके लिए आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक शोध के अनुसार, इसमें पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज की अच्छी मात्रा माई जाती है जो दांतों को सफेद और चमकदार बनाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए रोजाना टूथब्रश करने के बाद केले के छिलके को अपने दांतों पर घिसें। दर्द से दिलाता है राहतः अगर आपको शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द है तो इससे राहत पाने के लिए भी आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, केले के छिलके में दर्द निवारक और सूजन संबंधित विकारों को दूर करने के गुण मौजूद होते हैं। इसी कारण माना जाता है कि दर्द से प्रभावित जगह पर केले के छिलके को बांधने से कुछ हद तक आराम मिल सकता है।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में करता है मददः केले के छिलकों का सेवन करने से शरीर अंदर से पूरी तरह से साफ हो जाता है। दरअसल, केले के छिलकों में एंटी–ऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकाल कर शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह लिवर और किडनी को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। इसलिए अपनी डाइट में केले के छिलकों को शामिल करना अच्छा विचार हो सकता है।

हर किरदार ने मुझे कुछ न कुछ सिखायाः विद्या बालन

अपने दमदार अभिनय और भूमिकाओं से दर्शकों को हमेशा मंत्रमुग्ध करने वाली अभिनेत्री विद्या बालन ने इस बारे में खुल कर बात की है। वह कहती हैं कि अब तक उनके द्वारा निभाए गए हर किरदार ने उन्हें शिक्षित किया है और उनके लिए कुछ बदला है। जब से उन्होंने 2005 में परिणीता के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की, विद्या ने भूल भुलैया, नो वन किल्ड जेसिका, द डर्टी पिक्च र, पा, कहानी, इश्किया, मिशन मंगल, तुम्हारी सुलु और शकुंतला देवी जैसी फिल्मों में अपने गतिशील चित्रण के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। उनकी नवीनतम रिलीज शेरनी में उन्होंने एक ईमानदार वन अधिकारी की भूमिका निभाई हैं, जो पितृसत्तात्मक समाज द्वारा निर्धारित सामाजिक बाधाओं और अपने विभाग के भीतर अभावग्रस्त रवैये से जूझ रही है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने चरित्र से कुछ हासिल करती हैं या वे उन्हें किसी भी तरह से शिक्षित करते हैं, विद्या ने कहा, हां बिल्कुल। यह ऐसा है जैसे आप किसी अन्य व्यक्ति के साथ बातचीत करने के बाद हमेशा कुछ वापस पाते हैं। यह वही है। आप इस व्यक्ति के रहते हैं। डेढ़ महीने या दो या शायद अधिक के लिए जीवन क्योंकि आप उससे पहले तैयारी शुरू कर देते हैं। 42 वर्षीय अभिनेत्री का कहना है कि किसी किरदार से प्रभावित नहीं होना मुश्किल है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि, इसलिए, मैं लगभग चार महीने तक एक ही किरदार के साथ रहती हूं। इसलिए, उस चरित्र को आप पर प्रभाव नहीं पडने देना मुश्किल है। मुझे लगता है कि कभी–कभी, आप यह स्पष्ट कर सकते हैं कि पात्रों ने आपके जीवन को कैसे छुआ या आपको बदल दिया और कभी–कभी आप नहीं कर सकते मेरे लिए यह हमेशा बदलता रहता है।

वॉल सिटः जानिए कैसे की जाती है यह एक्सरसाइज और इससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें

वॉल सिट एक्सरसाइज दीवार के सहारे बैठकर की जाती है और यह जांघों, कूल्हों, पिंडलियों, मांसपेशियों और पेट के लिए बहुत ही लाभदायक मानी जाती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज पैरों की दर्द सहने की क्षमता को बढ़ाकर उन्हें मजबूती के साथ–साथ अच्छा आकार देने में भी मदद करती है। आइए आज आपको यह एक्सरसाइज करने का सही तरीका, इसके फायदे और इससे जुड़ी कुछ सावधानियां और महत्वपूर्ण टिप्स बताते हैं।

वॉल सिट एक्सरसाइज करने का तरीकाः सबसे पहले एक चिकनी दीवार से पीठ के सहारे सटकर सीधे खड़े हो जाएं। अब अपने दोनों पैरों को दीवार से लगभग 1.5 फुट की दूरी पर रखें और दोनों हाथों को सामने की ओर सीधा कर लें। इसके बाद धीर–धीरे अपने पैरों को घुटनों से मोड़कर अपने कूल्हों को थोड़ा नीचे की ओर लाएं। इस स्थिति में आप एक कुर्सी पर बैठे हुए दिखाई देंगे। 20 से 30 सेकेंड इस स्थिति में रहने के बाद धीरे–धीरे सामान्य हो जाएं।

सावधानियां– एक्सरसाइज करते समय जरूर बरतें ये सावधानियांः अगर आप अर्थराइटिस से ग्रस्त हैं या फिर आपके किसी पैर में मोच आई है तो इस एक्सरसाइज को न करें। अगर आपके कंधों में चोट लगी हो या दर्द हो, तब भी इस एक्सरसाइज को न करें। मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को इस एक्सरसाइज का अभ्यास नहीं करना चाहिए। घुटनों के पुराने दर्द से पीडिघ्त व्यक्तियों को वॉल सिट एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। अगर पेट में किसी तरह की तकलीफ है तो भी वॉल सिट एक्सरसाइज न करें।

फायदे– वॉल सिट एक्सरसाइज के नियमित अभ्यास से मिलने वाले फायदेः वॉल सिट एक्सरसाइज थाईज के पीछे वाली मांसपेशियों यानि हैमस्ट्रिंग के लिए बहुत ही लाभदायक होती है। यह एक्सरसाइज मोटापे से छुटकारा दिलाने में भी सहायक है। शरीर के संतुलन को बेहतर बनाने में भी यह एक्सरसाइज काफी मदद कर सकती है। इस एक्सरसाइज से पीठ की कई तकलीफों को ठीक किया जा सकता है। रोजाना इस एक्सरसाइज को करने से कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है। यह एक्सरसाइज पैरों और कूल्हों की मजबूती के लिए भी काफी अच्छी होती है।

टिप्स–एक्सरसाइज से जुड़ी खास टिप्सः यह एक्सरसाइज करते समय अपनी पीठ को न मोड़ें और इसे एकदम सीधा रखें। इसी तरह अपने सिर, कंधे, पीठ और कूल्हों पर अधिक दबाव न डालें। शुरूआत में इस एक्सरसाइज का अभ्यास अधिक समय तक न करें और धीरे–धीरे अपना समय बढ़ाएं। अगर आप इस एक्सरसाइज का अभ्यास पहली बार करने जा रहे हैं तो किसी विशेषज्ञ की निगरानी में करें। अभ्यास के दौरान पैरों या पीठ में दर्द होने लगे तो इस एक्सरसाइज को तुरंत छोड़ दें।